हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com | E-paper-hindidailyweb.in | http://hindidaily.net

VOLUM NO : 14 ISSUE NO : 325 Tuesday, 15 October 2024 , मंगळवार , १५ अक्टूबर २०२४ HYDERABAD 8 PAGES RS.1.00

गुजरात से 5 हजार करोड़ की 518 किलो कोकीन जब्त, 5 गिरफ्तार

● 12 दिन में इस सिंडिकेट पर 3 छापे, 13,000 करोड़ की ड्रग्स बरामद

गांधीनगर/नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के अंकलेश्वर के अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी के गोडाउन से 518 किलो कोकीन जब्त की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5000 करोड़ रुपए है। दिल्ली-गुजरात पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में मौके से 5 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि यह कोकीन उसी इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़ी है, जिसकी 2 बड़ी खेप दिल्ली से 2 अक्टूबर और 10 अक्टूबर को छापेमारी

के दौरान पकड़ाई थीं। पुलिस ने बताया कि अब तक इस सिंडिकेट की कुल 1289 किलो ड्रग्स जब्त की गई है। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 13 हजार करोड़ रुपए है। इस सिंडिकेट से जुड़े कुल 12 लोग अब तब गिरफ्तार हो चुकी है, जिनमें से 7 को दिल्ली की पिछली 2 रेड के दौरान हिरासत में लिया गया था।

दुबई से ऑपरेट हो रहे इस सिंडिकेट के मास्टरमाइंड की पहचान विरेंदर बसोया के रूप में हुई है। इसके दुबई में कई बिजनेस हैं।

● **सिंडिकेट के मेंबर को कोड नेम दिए गए थे-** पुलिस ने बताया कि इस सिंडिकेट के जुड़े ज्यादातर मेंबर एक दूसरे को नहीं जानते थे। वे सोशल मीडिया के जरिए कोऑर्डिनेट करते थे। कम्युनिकेशन के लिए हर मेंबर को एक-एक कोड नेम दिया गया था। इसके अलावा पुलिस को आशंका है कि ड्रग्स की यह खेप साउथ अमेरिकी देशों से समुद्री रास्ते से गोवा लाई गई थी। इसके बाद इसे दिल्ली लाया गया।

● **दिल्ली पुलिस 2 महीने से प्लानिंग कर रही-** दिल्ली-गुजरात में कोकीन जब्ती का इसे अब तक का सबसे बड़ा केस माना जा रहा है। पुलिस इस सिंडिकेट का पता लगाने के लिए पिछले दो महीने से काम कर रही थी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका और ब्रिटेन के 3 अर्थशास्त्रियों को इकोनॉमिक्स का नोबेल

लंदन (एजेंसी)। अमेरिका और ब्रिटेन के 3 वैज्ञानिकों को इकोनॉमिक्स का नोबेल प्राइज दिया गया है। विजेताओं में तुर्किश मूल के अमेरिकी डेरन एसेमोग्लू, ब्रिटिश मूल के अमेरिकी साइमन जॉनसन और ब्रिटेन के जेम्स ए रॉबिनसन शामिल हैं।

इन्हें अलग-अलग राजनीतिक और सामाजिक

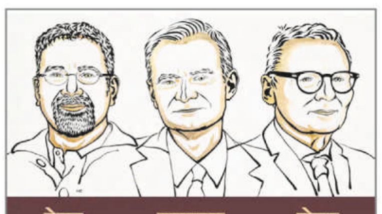

डेरन एसेमोग्लू | साइमन जॉनसन | जेम्स रॉबिन्सन

संस्थाओं के बनने और उसके समाज की तरक्की पर पड़ने वाले असर पर रिसर्च के लिए ये सम्मान मिला है।

राजनीतिक संस्थाओं के समाज पर असर को 3 तरह से समझाया है...

पहला- रिसोर्सेज का बंटवारा कैसे होता है। समाज में फैसले लेने की शक्ति किसके पास है। इस आधार पर अमीर वर्ग और आम जनता के बीच संघर्ष रहता है।

दूसरा- जनता संगठित होकर कभी-कभी सत्ताधारी वर्ग को धमकाती है। ऐसा करके वह सत्ता से अपनी बात मनवाते हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि समाज की ताकत सिर्फ कुछ फैसले लेने तक सीमित नहीं है।

तीसरा- कई बार अमीर सत्ताधारी वर्ग की यह मजबूरी होती है कि वे फैसला लेने का अधिकार जनता को सौंप दें।

बाबा सिद्दीकी मर्डर के आरोपी बोले- बेटा भी था टारगेट

मुंबई (एजेंसी)। बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में सोमवार को मुंबई पुलिस ने बताया कि बेटा जीशान सिद्दीकी भी शूटर्स के निशाने पर था। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने इस बात को स्वीकार किया है। आरोपी ने बताया कि उन्हें दोनों को गोली मारने के आदेश मिले थे, कहा गया था कि जो मिले उसे मार दो। कुछ दिन पहले जीशान को धमकी भी दी गई थी।

मीडिया ने 13 अक्टूबर को ही यह खुलासा कर दिया था कि जीशान सिद्दीकी भी निशाने पर थे। एक फोन कॉल की वजह से बच गए नहीं तो उनकी भी जान जा सकती थी। इस मर्डर केस में अब तक 6 आरोपियों की पहचान की गई है। इनमें 3 को गिरफ्तार किया गया है। अब तक धर्मराज, शिव कुमार, गुरमेल, जीशान अख्तर, शुभम लोनकर और प्रवीण लोनकर के नाम सामने आए हैं। धर्मराज, गुरमेल और प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया गया है।

देश के 5 राज्यों में धार्मिक विवाद

हैदराबाद में मंदिर में तोड़फोड़

● बंगाल में दुर्गा मूर्ति जलाई, कर्नाटक में दो समूहों के बीच झड़प

हैदराबाद/हावड़ा/बहराइच/बेलगावी (एजेंसी)। देश के 5 राज्यों तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, यूपी और झारखंड में धार्मिक विवाद हुआ है। तेलंगाना में हैदराबाद के मुथ्यलम्मा मंदिर में सोमवार सुबह देवी मां की मूर्ति तोड़ दी गई। यहां सुबह विरोध प्रदर्शन हुए। बीजेपी नेता माधवी लता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी भी मंदिर पहुंचे। उधर पश्चिम बंगाल में रविवार रात एक विशेष समुदाय के लोगों ने हावड़ा जिले के श्यामपुर इलाके में दुर्गा पंडाल में तोड़फोड़ की। बीजेपी का दावा है कि, अराजक तत्वों ने दुर्गा मां की मूर्ति में भी आग लगाई।

कर्नाटक के बेलगावी जिले के सोलापुर गांव में रविवार रात दुर्गा देवी की मूर्ति के अपमान के बाद दो समूहों के बीच झड़प हो गई। तीन लोग घायल हुए। दो बाइक और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। यूपी के बहराइच में दुर्गा विसर्जन के दौरान दो पक्षों में फायरिंग और पत्थरबाजी हुई। इसमें एक युवक की मौत हो गई। झारखंड के गढ़वा में रविवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई। मूर्ति विसर्जन के दौरान पुलिस ने विवादित रास्ते को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया था।

बहराइच में दूसरे दिन हिंसा

इंटरनेट बंद: भीड़ ने अस्पताल-गाड़ियों के शोरूम जलाए

उत्तर प्रदेश के बहराइच में हालात बेकाबू हो गए हैं। हजारों की भीड़ ने अस्पताल में आग लगा दी। कई शोरूम-दुकानों को फूंक दिया। भीड़ को देखकर पुलिस को पीछे हटना पड़ा। आसपास के 6 जिलों से फोर्स और पीएसी बुलाई गई

है। हिंसा प्रभावित इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। लखनऊ से एसटीएफ चीफ और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर भी बहराइच पहुंच गए हैं। उन्होंने आगजनी कर रही भीड़ को पहले रोका, नहीं मानी तो हाथ में पिस्टल लेकर दौड़ा लिया। रविवार को हरदी इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर दूसरे समुदाय के साथ विवाद हो गया था। इस दौरान हिंसा भड़क गई। पथराव-आगजनी के साथ 20 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई। इसमें 22 साल के राम गोपाल मिश्रा की मौत हो गई। एसटीएफ चीफ और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर ने आगजनी कर रही भीड़ को हाथ में पिस्टल लेकर खदेड़ा।

सिकंदराबाद मंदिर में तोड़फोड़ के विरोध में हिरासत में लिया माधवी लता को

हैदराबाद (एजन्सी),

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता माधवी लता को पुलिस ने सोमवार, 14 अक्टूबर को सिकंदराबाद के मुथ्यालम्मा मंदिर में तोड़फोड़ के विरोध में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ हिरासत में लिया। भाजपा नेता अपने समर्थकों के साथ मंदिर के सामने प्रदर्शन कर रही थीं, लेकिन तेलंगाना पुलिस ने स्थिति को शांत रखने और आगे न बढ़ने देने के लिए उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया।

इससे पहले, माधवी लता ने पिछले सप्ताह सांप्रदायिक रूप से ध्रुवीकरण करने वाली टिप्पणी की थी, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने नामपल्ली मैदान में हिंदू भगवान दुर्गा की मूर्ति को तोड़ दिया था। बाद में पता चला कि अपराधी मानसिक रूप से अस्थिर बेघर व्यक्ति था, जो रात में भोजन की तलाश कर रहा था। घटना के अगले दिन हैदराबाद पुलिस ने उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। बेघर व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की, जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि उनकी टिप्पणी भड़काऊ नहीं थी। इस बीच, भाजपा के तेलंगाना प्रमुख और केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने मंदिर का दौरा किया और कहा कि वह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिलेंगे और इस मुद्दे की विस्तृत जांच की मांग करेंगे। भाजपा के गोशामहल विधायक राजा सिंह को भी सोमवार को नजरबंद कर दिया गया और मंदिर स्थल पर जाने से रोक दिया गया।

सोमवार की सुबह सिकंदराबाद में तनाव तब पैदा हो गया जब एक व्यक्ति ने सुबह 3 बजे मुथ्यालम्मा मंदिर में घुसने की कोशिश की, जिसे निवासियों ने पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की, फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

बहराइच हिंसा...प्रियंका गांधी बोलीं-

सरकार तुरंत एक्शन ले

भाजपा ने बताया राजनीतिक साजिश, अजय राय ने कहा-योगी इस्तीफा देकर मठ में जाएं

बहराइच/वाराणसी/मुरादाबाद (एजेंसी)। बहराइच में आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल, शोरूम और दुकानों को आग लगा दी। हिंसा प्रभावित इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रविवार को दो समुदायों में पथराव-आगजनी के साथ 20 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई। इसमें 22 साल के राम गोपाल मिश्रा की मौत हो गई। कांग्रेस और सपा ने हिंसा को लेकर सरकार को घेरा। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी सरकार से हिंसा जल्द से जल्द रोकने की मांग की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा- योगी को इस्तीफा देकर मठ में चले जाएं। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने घटना को दुखद बताया है। सपा नेता एसटी हसन ने कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा- बहराइच में हो रही हिंसा और प्रशासन के निष्क्रिय होने की खबरें अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

शाहनवाज हुसैन बोले-

राजनीतिक रोटी सेंक रहा विपक्ष- भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा- ये दुखद है कि दुर्गा पूजा विसर्जन पर लगातार पथराव हो रहा है, लेकिन योगी आदित्यनाथ और प्रशासन इसे काबू करने में जुटी है। सपा और कांग्रेस तो हमेशा से ऐसी घटनाओं पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने में जुटे रहते हैं, लेकिन देश की जनता बहकने वाली नहीं है।

डिप्टी सीएम केशव बोले-

कोई भी साजिश सफल नहीं होगी- डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा- उत्तर प्रदेश की शांति और सौहार्द्र बिगाड़ने की कोई भी साजिश सफल नहीं होगी। दंगाइयों को संरक्षण देने वाले एक बार फिर सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन हमें सतर्क और सजग रहना होगा। प्रदेश के उज्जवल भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

पूर्व ब्रिटिश पीएम जॉनसन की किताब में मोदी की तारीफ

लिखा- वे बदलाव लाने वाले नेता, नेहरू कहते थे भारत हमेशा रूस का साथ देगा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन ने अपने जीवन की घटनाओं पर एक किताब लिखी है। इस किताब का नाम 'अनलीश्ड' है। इस संस्मरण में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने लिखा कि मोदी ऐसे चेंज मेकर नेता हैं, जिसकी हमें जरूरत है।

जॉनसन ने किताब में एक चैप्टर भारत के लिए लिखा है। इस चैप्टर का नाम 'ब्रिटेन एंड इंडिया' है। इसमें उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों के बारे में बताया है। उनकी यह किताब 10 अक्टूबर को पब्लिश हो चुकी है। अब यह ब्रिटेन के बुकस्टोर्स और ऑनलाइन मिल रही है।

जॉनसन ने ये भी बताया है कि भारत के पूर्व पीएम

जवाहर लाल नेहरू ने ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ आईटी से कहा था कि भारत हमेशा रूस के साथ रहेगा।

कानपुर यूनिवर्सिटी की छात्रा से रेप

आरोपी युवक और उसकी मां पर केस दर्ज

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली एक स्टूडेंट ने अपने क्लासमेट पर रेप का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि लड़का उसे शादी का झांसा देकर अपने कमरे में ले जाता था। यहां उसके साथ गलत काम करता था। मामले में तहरीर मिलने के बाद कल्याणपुर थाने में रविवार को एफआईआर दर्ज की गई। छात्रा ने आरोपी स्टूडेंट की मां को भी नामजद किया है। छात्रा का आरोप है कि आरोपी ने कई बार अपनी मां से मिलवाया और मां ने भी दोनों की शादी कराने का वादा किया था। इसी भरोसे में आकर वह अपने क्लासमेट के रूम में गई।

हिजबुल्लाह का इजराइली मिलिट्री बेस पर ड्रोन अटैक, 4 सैनिकों की मौत

इजराइल में अमेरिका थॉड डिफेंस सिस्टम तैनात करेगा

तेल अवीव (एजेंसी)। हिजबुल्लाह ने इजराइल के हाइफा इलाके में गोलानी मिलिट्री बेस पर हमला किया। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक इस हमले में 4 सैनिकों की मौत हो गई और कम से कम 58 सैनिक घायल हुए हैं। इनमें 7 गंभीर रूप से घायल हैं।

यह हमला राजधानी तेल अवीव से 40 मील दूर बिनयामिना टाउन में हुआ है। इजराइली मिलिट्री के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि कोई भी ड्रोन बिना किसी वॉर्निंग के इजराइली हवाई सीमा के अंदर कैसे आ सकता है, इसकी जांच हो रही है। हमें बेहतर सुरक्षा करनी चाहिए थी।

संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि आईडीएफ के ट्रेनिंग बेस पर ड्रोन्स की बरसात कर दी। उन्होंने उन जगहों पर विस्फोट किया जहां पर इजराइली सैनिक मौजूद थे। वे लेबनान पर हमले की तैयारी के लिए योजना बना रहे थे।

उधर, इजराइल ने सोमवार सुबह सेंट्रल गाजा के स्कूल में एयर स्ट्राइक की है। इस हमले में 22 लोगों की मौत हुई है। वहीं, करीब 80 घायल हुए हैं। गाजा में पिछले 1 साल से जारी इजराइली हमलों में 42 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

कमला हैरिस बोलीं-

गाजा में मदद पहुंचाए इजराइल- अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि इजराइल को गाजा में खाने के ट्रक भेजने के लिए तुरंत काम करना चाहिए। लोगों तक खाना, पानी और दवा का पहुंचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान किया जाना चाहिए।

संपादकीय

हार की समीक्षा, यानी बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन

राजनीति में सबक लिए नहीं जाते। (.. और क्षेत्रों में भी ऐसा ही होता है।) सबक दिए जाते हैं या सिखाए जाते हैं। यही वजह है कि पार्टियां और नेता कभी हार से सबक नहीं सीखते। आपने हजारों बार, हर हार के बाद यह जरूर सुना होगा कि हार की समीक्षा की जाएगी। इसके लिए, (वह भी कभी-कभार) पार्टी पर पकड़ रखने वाले कुछ लोग, वह पदाधिकारी हों या न हों, मिलकर बैठते हैं और हार के हजार बहाने जुटा लेते हैं। वर्ष 2004 के चुनाव में भाजपा का फीलगुड फैक्टर 'शाइनिंग इंडिया' फेल हुआ और लाल कृष्ण अडवानी की 'भारत उदय यात्रा' 33 दिन में 15 राज्यों की 128 लोकसभाओं और 8500 किलोमीटर का चक्कर काट कर भी कोई नतीजा नहीं दे पाई थी, तब भाजपा ने इस बात पर जोर दिया था कि वह अपनी हार की समीक्षा करेगी।

समय से पूर्व हुए चुनावों के बाद समीक्षा हुई। अडवानी जी के नेतृत्व में मुरली मनोहर जोशी के साथ भाजपा के दिग्गज नेताओं ने हार के कारणों पर लंबा मंथन किया। उस मंथन से क्या निकला, यह किसी को पता नहीं। लेकिन 5 साल बाद जब 2009 में चुनाव हुए तो भी भाजपा सत्ता की लड़ाई कांग्रेस से दोबारा हार गई थी। तो क्या माना जाए, समीक्षा सही नहीं हुई या फिर उसके करैक्शंस पर काम नहीं किया गया। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जब उत्तर प्रदेश में बड़ी चोट खाई तो वहां भी हार की समीक्षा हुई। कई स्तरों पर समीक्षा हुई। किसी ने कहा कि पार्टी के कुछ बड़े नेताओं ने संविधान को लेकर ऐसा बयान दे दिया कि उससे अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के लोग छितर गए और पार्टी को अनापेक्षित नुकसान हुआ। किसी ने कहा कि पार्टी में ही योगी आदित्यनाथ के विरोधियों ने भीतरघात कर दिया। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के शाश्वत कारण गिनाए। पर हुआ क्या। सबसे आसान तरीका तो यह होता है कि पार्टी प्रमुख चाहे वह प्रदेश स्तर का हो या राष्ट्रीय स्तर का, बदल दिया जाए। लेकिन यहां तो यह भी नहीं हुआ। संविधान पर अटरम-पटरम कहानी कहने वाले 4 सांसदों को पार्टी निलंबित तक नहीं कर सकी। आगे की कार्रवाई की बात तो और है। भीतरघात का आरोप झेल रहे कई मंत्री आज भी पूरे जलवे से पद पर हैं। कांग्रेस की कहानी अलग नहीं है। कांग्रेस कोई पहली बार नहीं हार रही है। 2014 के बाद से कांग्रेस को 62 में से 47 चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। उनकी हार की समीक्षा ई.वी.एम. पर आकर अटक जाती है। जीतते हैं तो ई.वी.एम. ठीक, नेतृत्व प्रभावशाली होता है और हारते हैं, तो बात समीक्षा पर टिक जाती है। 2014-2019 में सिर्फ 10 फीसदी के आसपास सीटें आईं तो मूल कारणों पर कोई बात नहीं हुई। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में जब आंकड़ा 543 सीटों वाले सदन में 99 हो गया तो राहुल गांधी की मेहनत को पूरा श्रेय दिया गया।

हरियाणा में हार की जो समीक्षा कांग्रेस कर रही है, इसे करने का बड़ा दायित्व भी हुड्डा ने अपने कंधों पर ले लिया है। कुमारी शैलजा और रणदीप सुर्जेवाला अगर उसमें अपनी समीक्षा जोड़ेंगे तो और बवाल होगा। पार्टी की और किरकिरी होगी। इसलिए लीपपोत कर यह फैसला करना ज्यादा सुरक्षित था कि शिकायत लेकर चुनाव आयोग के पास जाया जाए। मगर ऐसा करते समय कांग्रेस विद्वान शायर की उस नसीहत को भूल गई कि 'अपना गम लेकर कहीं और न जाया जाए' इससे और फजीहत होती है। चुनाव आयोग के पास उसका कोई समाधान नहीं है। वह भी चुटकी लेगा और जनता भी। कुल मिलाकर राहुल गांधी हरियाणा में हार से बेहद नाराज बताए गए हैं। उन्होंने फटकार भी लगाई कि प्रदेश स्तर के नेताओं ने अपने हितों को पार्टी से ऊपर रखा। हार की समीक्षा के लिए एक कमेटी बना डाली है। क्या राहुल की बनाई कमेटी यह समीक्षा कर पाएगी कि जहां राहुल ने रोड शो किए, वहां पार्टी का प्रदर्शन कमजोर कैसे रहा? राष्ट्रीय पार्टियों के साथ-साथ अगर क्षेत्रीय दलों की बात करें तो वहां हार की समीक्षा करने जैसी कोई परंपरा ही नहीं दिखती। ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियां एक परिवार या व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती हैं। चुनाव की सारी नीतियां वही तय करते हैं। ऐसे में पार्टी हारती है तो बिल्ली के गले में घंटी भला कौन बांधे वाली बात होती है। जो ऐसी हिमाकत दिखाता है, उसे बाहर कर दिया जाता है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल ने भी हार के बाद समीक्षा करने की बात कही थी, मगर ऐसा कुछ होता नहीं दिखा। वहां सुखबीर बादल स्वयं पार्टी हैं, जो उनसे सहमत नहीं है, वह अन्य पार्टियों में जा सकता है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की पार्टी सपा में कई तरह के सुर उनके परिवार से ही निकलते हैं। इसलिए वहां थोड़ी बहुत समीक्षा की गुंजाइश बन जाती है। हारना-जीतना चलता रहता है पर पार्टी में सुधार कितना हुआ, यह जरूर देखा जाना चाहिए। अधिकांशतः एक या दो नेता पूरी पार्टी को चलाते हैं। हर जीत का सेहरा वे अपने सिर बांधते हैं मगर हार की जिम्मेदारी लेने का नैतिक साहस हर नेता नहीं ले पाता। इसलिए बलि का बकरा तलाशने के लिए कमेटियां बनाई जाती हैं। यह खेल ऐसे ही चलता रहेगा।

योगी ने हरियाणा में बदल दिये नतीजे तो पार्टी में बढ़ा कद

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर बीजेपी के अंदर अपनी ताकत का अहसास करा दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी को लगातार तीसरी बार मिली जीत के हीरो बनकर उभरे हैं योगी। योगी ने हरियाणा में कुल 14 विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं की जिसमें से 09 सीटों पर बीजेपी को हासिल हुई। यह स्ट्राइक रेट 70 फीसदी के करीब बैठता है जबकि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कुल 08 जनसभाएं कि जिसमें से कांग्रेस को मात्र दो सीटों पर ही जीत हासिल हो पाई। बीजेपी की जीत में वोटिंग प्रतिशत का बढ़ना भी अहम रहा। कुल मिलाकर लोकसभा चुनाव के समय हरियाणा में थोड़ी कमजोर नजर आ रही बीजेपी को सही मौके पर यहां के वोटरों ने बूस्टर डोज दे दी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में 48 सीट जीतकर भाजपा सत्ता बरकरार रखने में कामयाब हुई, जबकि कांग्रेस को 37 सीट पर जीत मिली है। खासकर योगी के बटोगे तो कटोगे वाले बयान ने भी योगी की जीत में अहम भूमिका निभाई। कहने का तात्पर्य यह है कि सीएम योगी एक बार फिर से बीजेपी के लिए ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में पांच क्षेत्रों में चुनाव प्रचार किया, जिसमें से चार सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की। इसी तरह उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रचार किया। राज्य की 14 विधानसभा सीटों पर वह चुनाव प्रचार करने गए, जिसमें से बीजेपी ने 9 सीटों पर जीत दर्ज की जो यह बताने के लिये काफी है कि हरियाणा में बीजेपी का हिन्दुत्व का कार्ड तो खूब चला, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस का संविधान बचाओं का ढोंग और हिन्दुओं को जातियों में बांट कर हिन्दू वोटों में डिवीजन की साजिश परवान नहीं चढ़ पाई। योगी ने हरियाणा में चार दिन और जम्मू-कश्मीर में दो दिन प्रचार किया। सीएम योगी ने 22 सितंबर को नरवाना, राई और असंध सीट पर चुनाव प्रचार किया।। इन तीनों ही सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। इसके बाद 28 सितंबर को मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद, रादौर, जगाधरी और अटेली सीटों पर प्रचार किया इन सभी सीटों पर भी बीजेपी जीती है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 30 सितंबर को बवानी खेड़ा में चुनावी जनसभा की थी। इस सीट पर भी बीजेपी ने जीत दर्ज की है। तीन अक्टूबर को उन्होंने सफीदों में जनसभा की, यहां बीजेपी ने जीत दर्ज की है। अब अगर जम्मू-कश्मीर में उनके ट्रैक रिकॉर्ड पर ध्यान दें तो बिल्कुल ऐसा ही नजर आता है, जिन सीटों पर उन्होंने चुनाव प्रचार किया वहां बीजेपी का दबदबा रहा। योगी ने जम्मू कश्मीर के रामगढ़, आरएस पुरा दक्षिण, रामनगर और कठुआ में सभाएं की थीं। इन सभी सीटों पर बीजेपी के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है, ऐसे में देखा जाए तो सीएम योगी आदित्यनाथ एक बार फिर से बीजेपी का ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। उनका चुनाव के दौरान उनका जादू चलता नजर आया है। इस आधार पर कहा जा सकता है बीजेपी में योगी का कद काफी बढ़ गया है।

आज का कार्टून

हरिद्वारः रामलीला में वानर बने दो कैदी सीता माता को ढूंढने के बहाने दीवार फांगकर फरार

राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कर पाएंगे प्रशांत किशोर?

> प्रशांत किशोर ने दो साल तक लगातार बिहार की पदयात्रा की है। जनसुराज यात्रा के नाम से हुई इस यात्रा के जरिए उन्हें ज्यादातर उत्तरी बिहार को अपने कदमों तले नापा है। इसके जरिए उन्होंने अपना बड़ा समर्थक वर्ग तैयार किया है। जिसमें जाति और धर्म से इतर सोचने वाले युवाओं की अच्छी-खासी फौज है। तीन अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में इस वर्ग की उपस्थिति जहां प्रशांत किशोर से आस लगाने का आधार उपलब्ध कराती है तो बिहार के दूसरे पारंपरिक दलों के लिए चिंता का सबब भी बनती है। इसी चिंता से बिहार के पारंपरिक दल चिंतित हैं। राजनीतिक दल उस दल के उभार से ज्यादा चिंतित होते हैं, जिनसे उनके पारंपरिक आधार वोट बैंक के छीजने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन प्रशांत किशोर हर वर्ग के उन युवाओं के प्रेरणा केंद्र बनते दिख रहे हैं, जिनके लिए बिहार का बदलाव प्राथमिक लक्ष्य है। जिन्हें यह बदलाव जाति और धर्म की बजाय मेरिट पर होने की उम्मीद है।

उमेश चतुर्वेदी

बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे-बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है।

पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान तमाम रैलियों का गवाह रहा है, लेकिन इस मैदान में आधी सदी के अंतर पर हुई दो रैलियों में कम से कम बिहार की अवाम एक समानता देख रही है। पांच जून 1974 को 72 साल के बुजुर्ग जेपी ने संपूर्ण क्रांति का नारा देकर इंदिरा की सर्वशक्तिमान सत्ता को उखाड़ने की पूर्व पीठिका रच दी थी। इस बार इंदिरा की सत्ता उखाड़ने जैसा कोई लक्ष्य तो नहीं है, लेकिन गांधी जयंती के अगले दिन तीन अक्टूबर को 47 साल के प्रशांत किशोर से बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के जरिए जनसुराज की बयार बिहार की धरती पर बहा पाएंगे या फिर बदलाव की राजनीति का दावा करने वाले दूसरे लोगों की तरह वे भी पारंपरिक राजनीति का ही हिस्सा बन जाएंगे? वैसे बिहार में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्हें ठीक उसी तरह प्रशांत किशोर से उम्मीद नहीं है, जैसी नाउम्मीदी पारंपरिक दलों से है।

बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे-बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाले गठबंधन में तमाम तरह की वैचारिकी वाले कई दल शामिल हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी तो है ही, वामपंथी दल भी हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में नीतीश कुमार का जनता दल यू, जीतनराम मांझी की हम, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी शामिल है। इस दो खेमे की राजनीति के बीच में यह सवाल उठना वाजिब है कि क्या प्रशांत किशोर इन दोनों गठबंधनों के बीच अपनी तीसरी राह बना पाएंगे ?

बिहार की राजनीति का जब भी संदर्भ आता है, गर्व भाव से उसे याद किया जाता है। प्रथम स्वाधीनता संग्राम में बिहार के बेटे ने कुंवर सिंह ने जहां देश को नई दिशा दिखाई, स्वाधीनता संग्राम में जयप्रकाश नारायण ने भी नौजवानों को उसी अंदाज में जगा दिया था। इन्हीं जयप्रकाश को दूसरी आजादी का नायक का भी सम्मान हासिल है। बिहार की राजनीति का जब भी बखान होता है, तब इन ऐतिहासिक चरित्रों के हवाले से यह दावा जरूर किया जाता है कि बिहार की राजनीति भविष्य की राजनीति को प्रभावित करती है। इसे उलटबांसी ही कहा जा सकता है कि जिस बिहार की धरती का गौरवबोध वैशाली के गणतंत्र से भर उठता है, जिसे बुद्ध और महावीर की धरती का गौरव हासिल है, उसी बिहार की धरती आज के दौर में जातिवादी राजनीति में ही अपना आज का गौरव ढूंढने में गर्व महसूस करती है। दिलचस्प यह है कि बिहार की राजनीति को लेकर गर्वबोध से भरा रहने वाला समाज भी अपनी धरातली सोच में जातिवादी बोध को अलग नहीं कर पाता। फिर भी बिहार में एक वर्ग ऐसा भी है, जो बिहार के मौजूदा पिछड़ेपन से चिंतित रहता है। जिसे इस यह बात सालती है कि उसके राज्य के हर गांव की जवान आबादी का बड़ा हिस्सा दुनियाभर में दिहाड़ी मजदूर बनने को मजबूर है। इसी वर्ग की उम्मीद बनकर प्रशांत किशोर उभरे हैं। प्रशांत किशोर से आस लगाए वर्ग को बिहार की दरिद्रता, बिहारी लोगों का राज्य के बाहर मिलने वाला अपमान सालता है। इसलिए वे चाहते हैं कि प्रशांत किशोर उभरें और राज्य की जाति-धर्म वाली राजनीति को बदलें। बिहार की बदहाली को दूर करें।

किसी भी नया काम करने वाले को समाज पहले हंसी उड़ाता है, इसके बावजूद अगर वह रूका नहीं तो उसे कुछ उपलब्धियां हासिल होने लगती हैं। इससे समाज के स्थापित प्रभु वर्ग को परेशानी होने लगती है। तो वह उन उपलब्धियों की अनदेखी करने लगता है। फिर भी व्यक्ति रूकता नहीं तो उसकी उपलब्धियों को वही समाज नोटिस लेने लगता है और आखिर में उसे सर आंखों पर बैठा लेता है। प्रशांत किशोर इस प्रक्रिया के दो चरणों को पार कर चुके हैं। अब उनकी उपलब्धियों का बिहारी राजनीतिक दल नोटिस लेने लगे हैं। हालांकि उन्हें बार-बार पांडेय बताकर जातिवादी त्रिशूल से उन्हें बेधने की राजनीतिक कोशिश भी हो रही है। दिलचस्प यह है कि उनके ब्राह्मण होने का प्रचार बार-बार आरजेडी की तरफ से हो रहा है। जिसका पूरा राजनीतिक वजूद ही मुस्लिम और यादव समीकरण पर टिका है।

प्रशांत किशोर ने दो साल तक लगातार बिहार की पदयात्रा की है। जनसुराज यात्रा के नाम से हुई इस यात्रा के जरिए उन्हें ज्यादातर उत्तरी बिहार को अपने कदमों तले नापा है। इसके जरिए उन्होंने अपना बड़ा समर्थक वर्ग तैयार किया है। जिसमें जाति और धर्म से इतर सोचने वाले युवाओं की अच्छी-खासी फौज है। तीन अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में इस वर्ग की उपस्थिति जहां प्रशांत किशोर से आस लगाने का आधार उपलब्ध कराती है तो बिहार के दूसरे पारंपरिक दलों के लिए चिंता का सबब भी बनती है। इसी चिंता से बिहार के पारंपरिक दल चिंतित हैं। राजनीतिक दल उस दल के उभार से ज्यादा चिंतित होते हैं, जिनसे उनके पारंपरिक आधार वोट बैंक के छीजने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन प्रशांत किशोर हर वर्ग के उन युवाओं के प्रेरणा केंद्र बनते दिख रहे हैं, जिनके लिए बिहार का बदलाव प्राथमिक लक्ष्य है। जिन्हें यह बदलाव जाति और धर्म की बजाय मेरिट पर होने की उम्मीद है।

लेकिन क्या प्रशांत किशोर इस जाति-धर्म की राजनीति से सचमुच दूर हैं? बिहार की राजनीति पिछली सदी के नब्बे के दशक से कमंडल और मंडल खेमे के बीच झूलती रही है। जाति और धर्म की अनदेखी करने का दावा करने वाले प्रशांत किशोर इससे आगे दलितवाद की ओर आगे बढ़ते दिख रहे हैं। दिलचस्प यह है कि उनकी टीम में केजरीवाल की टीम जैसे पूर्व नौकरशाह और समाजसेवी की भीड़ दिखती है। जनता दल, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद रहे देवेंद्र यादव, जनता दल यू के पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व राजनयिक पवन वर्मा, पूर्व राजनयिक मनोज भारती प्रशांत किशोर के सहयोगी हैं। देवेंद्र यादव के सितारे इन दिनों गर्दिश में हैं तो पवन वर्मा को बाद के दिनों में नीतीश ने भाव नहीं दिया। जिस तरह केजरीवाल की राजनीति से उन लोगों ने ज्यादा उम्मीद लगाई और साथ दिया, जिन्हें पारंपरिक दल तवज्जो नहीं देते थे, कुछ वैसा ही हाल प्रशांत किशोर की नवेली पार्टी का भी दिख रहा है। ऐसे में शक की गुंजाइश बढ़ जाती है कि प्रशांत भी ताकत पाकर कहीं केजरीवाल की पार्टी के अवसरवादी और नाटकबाजी राजनीति की कॉपी ना बन जाएं। इतिहास भी इसकी गवाही देता है। बदलाव की राजनीति को लेकर असम गणपरिषद बनी, सत्ता तक पहुंची, लेकिन वह पारंपरिक राजनीति की ही धार में समा गई। केजरीवाल की पार्टी को सब देख ही रहे हैं। इसलिए प्रशांत किशोर को लेकर शक होना स्वाभाविक है।

लोहिया और जयप्रकाश मानते थे कि सत्ता में दलों का बदलने की बजाय जरूरी है कि तंत्र में बदलाव लाना। फिलहाल प्रशांत किशोर तंत्र यानी व्यवस्था में ही बदलाव का दावा कर रहे हैं। इसी वजह से उनके प्रशंसकों की संख्या बढ़ी है। लेकिन वे ऐसा तभी कर पाएंगे, जब उन्हें बिहार की जनता 2025 के विधानसभा चुनावों में उन्हें मजबूत समर्थन देगी। प्रशांत किशोर तंत्र तभी बदल पाएंगे, जब उनके पास पारंपरिक राजनेता नहीं होंगे, बल्कि राजनीति का सुचिंतन वाला नया खून उनके पास होगा। फिलहाल निर्णायक भूमिकाओं में जो दिख रहे हैं, वे पूर्व नौकरशाह हैं। नौकरशाहों को लेकर यह मानने में हर्ज नहीं है कि वे आम नेताओं की तरह जनता की परवाह ज्यादा करेंगे। सवाल यह है कि प्रशांत किशोर इस नजरिए से सोच भी रहे हैं या नहीं?

क्या हरियाणा में गैर जाट नेताओं को आगे बढ़ाएगी कांग्रेस

> विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस क्या हरियाणा में गैर जाट नेताओं को आगे करने पर गंभीरता से विचार कर रही है? चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे और रोहतक से सांसद दीपेंद्र हुड्डा के खिलाफ आवाज उठी है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा चुनाव नतीजों को लेकर गंभीर आत्मनिरीक्षण करने की बात कह चुकी हैं। विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने वाले कांग्रेस के उम्मीदवार हुड्डा के खिलाफ आवाज उठा चुके हैं। इसके अलावा पार्टी की ओबीसी विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय यादव ने भी चुनाव नतीजों के बाद नाराजगी जताई है।

पवन उप्रेती

कांग्रेस को इस बात की पूरी उम्मीद थी कि वह हरियाणा में सरकार बना लेगी। लोकसभा चुनाव में पांच सीटें जीतना इसकी एक बड़ी वजह थी। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद पार्टी के अंदर घमासान मचा हुआ है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी नतीजों को लेकर नाराज हैं और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में हरियाणा में कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव हो सकते हैं। हरियाणा में अब कांग्रेस के भीतर नेता विपक्ष के पद को लेकर लड़ाई छिड़ सकती है। पिछली विधानसभा में नेता विपक्ष के पद पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा थे। हुड्डा इस बार भी अपनी परंपरागत सीट गढ़ी-सांपला किलोई से विधानसभा का चुनाव जीते हैं और निश्चित रूप से वह नेता विपक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद अपने पास ही रखना चाहेंगे। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद जिस तरह का सख्त रूख पार्टी नेतृत्व ने दिखाया है उसके बाद ऐसा होना मुश्किल दिखाई देता है। इसके अलावा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के पद पर भी बदलाव कर सकती है। हरियाणा की राजनीति को समझने वाले सभी लोग जानते हैं कि कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में हुड्डा पर काफी भरोसा किया। लोकसभा चुनाव में भी हरियाणा में

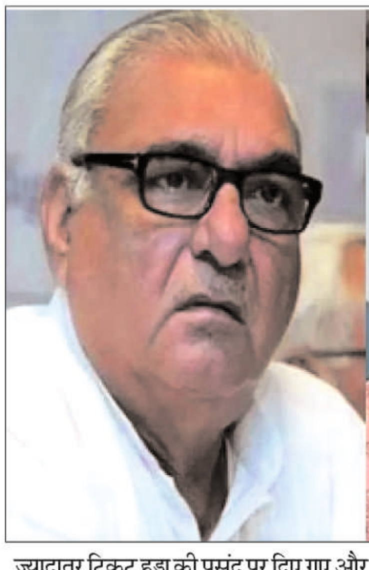

ज्यादातर टिकट हुड्डा की पसंद पर दिए गए और विधानसभा चुनाव में तो पार्टी ने हुड्डा को एक तरह से फ्री हैंड दिया। 90 सीटों वाली हरियाणा की विधानसभा में 72 से 75 टिकट हुड्डा के समर्थकों को ही दिए गए लेकिन अब जब चुनाव नतीजे पूरी तरह उलट आए हैं तो शायद पार्टी नेतृत्व हुड्डा से भी जवाब मांगेगा।

कांग्रेस नेतृत्व की ओर से गुरुवार को जब हरियाणा के चुनाव नतीजों को लेकर बैठक बुलाई गई तो इसमें भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी उदयभान शामिल नहीं हुए। प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया और वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही बैठक से जुड़े। हुड्डा और उदयभान हरियाणा में अपने कार्यक्रमों में व्यस्त रहे।बीजेपी ने हरियाणा में अपने पिछले 10 साल के शासन में गैर जाट नेताओं क्रमशः- मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी को ही मुख्यमंत्री बनाया। इस बार भी वह नायब सिंह सैनी को ही मुख्यमंत्री बनाने जा रही है। विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करने पर एक बात यह सामने आ रही है कि चुनाव में जाट बनाम गैर जाट का फैक्टर हावी रहा है। हरियाणा में जाट समुदाय की आबादी के मुकाबले गैर जाट समुदाय की आबादी बहुत ज्यादा है। यह माना जा रहा है कि गैर जाट समुदाय का बीजेपी के पक्ष में कुछ हद तक ध्रुवीकरण हुआ और इस वजह से चुनाव में जीत के दावे कर रही कांग्रेस बीजेपी से पिछड़ गई। लेकिन अब इस चुनावी हार से सबक लेते हुए पार्टी नेतृत्व हरियाणा में गैर जाट नेतृत्व को आगे कर सकता है। कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में सिरसा से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा की नाराजगी भी भारी पड़ी है। कुमारी सैलजा भी गैर जाट (दलित समुदाय) से आती हैं। सैलजा चुनाव में टिकट वितरण को लेकर नाराज थीं और काफी दिन तक उन्होंने चुनाव प्रचार भी नहीं किया था। सवाल यह है कि क्या भूपेंद्र सिंह हुड्डा नेता विपक्ष जैसी बड़ी कुर्सी पर किसी और को बैठने देंगे? क्या पार्टी का शेष नेतृत्व हुड्डा जैसे ताकतवर नेता को नाराज करने की हिम्मत जुटा सकेगा? भूपेंद्र सिंह हुड्डा 2005 से 2014 तक हरियाणा में चली कांग्रेस की सरकार में मुख्यमंत्री रहे थे और पिछले चुनाव में मिली 31 और इस चुनाव में मिली 37 सीटों में भी हुड्डा का बड़ा रोल रहा है।

लेकिन अगर कांग्रेस को हरियाणा में संगठन को आगे बढ़ाना है तो उसे गैर जाट नेतृत्व को आगे बढ़ाने के साथ ही भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ भी तालमेल बैठाना होगा। जाट लैंड में पड़ने वाले जिलों- सोनीपत, रोहतक, चरखी दादरी, भिवानी, जींद, झज्जर में भूपेंद्र सिंह हुड्डा का बड़ा असर है। ऐसे में क्या पार्टी हुड्डा को नाराज करने का खतरा उठाएगी?नेता विपक्ष के अलावा अभी तक प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी संभाल रहे चौधरी उदय भान की जगह भी किसी दूसरे नेता को मौका दिया जा सकता है। उदय भान भूपेंद्र सिंह हुड्डा के ही करीबी हैं और हुड्डा की सिफारिश पर ही उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। उदय भान पिछली बार भी और इस बार भी विधानसभा का चुनाव हार गए हैं। ऐसे में कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व हरियाणा में संगठन को ताकत देने के इरादे से नेता विपक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बड़े बदलाव कर सकता है। इन पदों पर कुमारी सैलजा या रणदीप सुरजेवाला के समर्थकों को जगह दी जा सकती है। हरियाणा में लगातार तीन चुनाव हारने के बाद निश्चित रूप से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ा है। आने वाले दिनों में कांग्रेस की हरियाणा इकाई में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं लेकिन अगर बदलाव हुए तो क्या हुड्डा इन बदलावों को मानेंगे?

करवा चौथ पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करेंगे नेल आर्ट की ये डिजाइंस

अगर आप करवा चौथ पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं तो आप इस तरह के नेल आर्ट डिजाइंस करवा सकती हैं। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आपके नाखूनों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करेंगे

इन दिनों नेल आर्ट काफी ट्रेंड में है और कई सारे खास मौके पर महिलाएं अपने हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए नाखूनों पर नेल आर्ट डिजाइन बनावती हैं। वहीं अब करवा चौथ का त्योहर आने वाला है और इस खास मौके पर महिलाएं सोलह श्रंगार करती हैं। वहीं अगर आप गे करवा चौथ के मौके पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं तो आप ये नेल आर्ट डिजाइंस अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं।

मार्बल डिजाइन नेल आर्ट

यह मार्बल डिजाइन नेल आर्ट इन दिनों काफी फैशन में है और अगर आप अपने नाखूनों को न्यू लुक देना चाहती हैं तो आप इस तरह के नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आप लाइट कलर के आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं।

ग्लिटर नेल आर्ट

आगर आप डार्क कलर का आउटफिट पहन रही हैं तो आप इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। यह नेल आर्ट को बनाने के लिए आपको नेल पॉलिश साथ ही ग्लिटर की मदद से बना सकती हैं। यह नेल आर्ट भी हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। इस तरह के नेल आर्ट को आप नेल साथ ही ग्लिटर की मदद से बनाएं साथ ही मार्केट से आप इस नेल आर्ट डिजाइन बनवा जा सकता है। रेड कलर का ये नेल आर्ट डिजाइन भी आपकी खूबसूरती में चार चाँद लगाना का काम करेगा और इस नेल आर्ट को आप घर पर ही दो नेल पॉलिश की मदद से बनवा सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन नेल आर्ट

नाखूनों को न्यू लुक देने के लिए इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन भी बेस्ट ऑप्शन हो सकता है और इस तरह का नेल आर्ट लाइट कलर की नेल पॉलिश से बना सकती हैं साथ ही इसमें फूल का डिजाइन भी बनवा सकती हैं।

स्पार्कल नेल आर्ट

यह नेल आर्ट डिजाईन भी काफी ट्रेंड में है और अगर आपको ये समझ नहीं आ रहा है कि कसी तरह नेल आर्ट डिजाइन आप अपने नाखूनों को बनवाएं तो आप इस तरह का स्पार्कल नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं।

करवा चौथ पर नजर आएंगी सबसे अलग

अगर आप न्यू लुक चाहती हैं तो आप इस तरह का सूट करवा चौथ के मौके पर स्टाइल कर सकती है। इस तरह के सूट में जहां आपका लुक रॉयल नजर आएगा तो वहीं आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

महिलाओं को सलवार-सूट पहनना काफी पसंद है और कई सारे मौके पर महिलाएं इन्हें स्टाइल करती हैं। वहीं अगर आप करवा चौथ पर सूट पहनने का सोच रही हैं और रॉयल लुक चाहती हैं तो आप अफगानी सूट स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले अफगानी सूट दिखा रहे हैं जो आप करवा चौथ के मौके पर स्टाइल कर सकती हैं। ये सूट न्यू लुक पाने के लिए बेट्स ऑप्शन हो सकते हैं और इस तरह के सूट में आप भीड़ से अलग नजर आएंगी।

प्रिंटेड अफगानी सूट

अगर आप सिंपल लुक चाहती हैं तो आप इस तरह के प्रिंटेड अफगानी सूट स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में जहां आप खूबसूरत नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा। इस सूट को करवा चौथ पर दिन में होने वाली पूजा के दौरान वियर कर सकती हैं और इस सूट को 1,500 से 3,000 रुपये में खरीद सकती हैं।

सिल्क प्रिंटेड अफगानी सूट

यह सिल्क फैब्रिक वाला अफगानी सूट भी आप करवा चौथ पर स्टाइल कर सकती है। यह सूट सिल्क फैब्रिक में है और इस सूट बेहद ही खूबसूरत ब्लाक प्रिंट में है। इस तरह का सूट आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा और इस सूट को आप 2,500 रुपये की कीमत मिल जाएंगी।

एम्ब्रॉयडरी अफगानी सूट

यह एम्ब्रॉयडरी अफगानी सूट भी आप करवा चौथ पर न्यू लुक पाने के लिए आप वियर कर सकती हैं। इस सूट में बेहद ही खूबसूरत एम्ब्रॉयडरी की गई है। जिसमें आपका लुक रॉयल नजर आएगा। इस सूट को अप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 2,500 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं।

करवाचौथ के लिए खास हैं जॉर्जेट साड़ी की ये डिजाइंस

करवा चौथ पर ज्यादातर महिलाएं इस दिन साड़ी पहनना पसंद करती हैं लेकिन कुछ महिलाएं औसत से कम हाइट होने की वजह से साड़ी पहनने से हिचकने लगती है। उन्हें लगता है कि साड़ी उन पर अच्छी नहीं लगेगी या फिर साड़ी सिर्फ लम्बी हाइट की महिलाओं पर अच्छी लगती है लेकिन ऐसा नहीं है। आप अगर किसी भी ड्रेस को कुछ बेसिक स्टाइलिंग टिप्स के साथ कैरी करते हैं, तो आप पर हर ड्रेस अच्छी लगती है। साड़ी के साथ भी ऐसे ही कुछ स्टाइलिंग टिप्स जुड़ें हैं।इलिंग टिप्स जुड़ें हैं।

फ्लोरल डिजाइन जॉर्जेट साड़ी

फ्लोरल डिजाइन एवरग्रीन फैशन ट्रेंड में रहता है। इस तरह की साड़ी में आपको ज्यादातर बॉर्डर और साड़ी के पल्लू में देखने को मिलेगा। वहीं सोबर लुक चाहती हैं तो इसमें आप पेस्टल कलर कॉम्बिनेशन की साड़ियां ट्राई कर सकती हैं। लुक में जान डालने के लिएपर्ल ज्वेलरीको स्टाइल कर सकती हैं। मेकअप के लिए ग्लॉसी लुक को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा-पट्टी डिजाइन जॉर्जेट साड़ी

फैंसी डिजाइन में साड़ी ढूंढ रही हैं तो किसी भी प्लेन साड़ी में अपनी पसंद की गोटा-पट्टी लेस लगवा सकती हैं। इसमें आप एक से ज्यादा डिजाइन की लेस भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी के साथ में आप कानों में गोल्डन झुमकी को पहन सकती हैं। देखने में इस तरह का लुक काफी मिनिमल और फैंसी लुक देने में मदद करता है।

मल्टी-शेड जॉर्जेट साड़ी

आखिरी साल आलिया भट्ट ने एक फिल्म के दौरान एक के बाद एक जॉर्जेट साड़ी को पहना था, जिसके बाद बॉलीवुड स्टाइल प्लेन साड़ी काफी चर्चा में नजर आई हैं। ऐसे में मल्टी-शेड के कलर कॉम्बिनेशन वाली साड़ी को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। इस तरह की साड़ी के साथ में आप बोहो ज्वेलरी पहन सकते हैं।

ऐसे करें अपना श्रृंगार नहीं हटेगी पति की नजर

सुहागिनों का सबसे बड़ा पर्व माने जाने वाला करवा चौथ शादीशुदा महिलाओं के लिए बहुत खास माना जाता है. हिलाएं करवा माता और शिव-पार्वती से अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं. इस दिन सभी सुहागिन महिलाएं पूरा दिन निर्जला व्रत रखती और रात में चांद दिखने के बाद ही पानी या अन्न ग्रहण करती हैं. करवाचौथ में शिव-पार्वती, कार्तिक और करवा चौथ माता की पूजा की जाती है.

करवा चौथ के दिन महिलाएं 16 श्रृंगार कर दुल्हन की तरह खुद को संवारती हैं. करवा चौथ के समय पार्लर और ब्यूटी शॉप पर महिलाओं की खासा भीड़ लगी रहती है. लेकिन इस साल कोरोना के कारण पार्लर जाना सुरक्षित नहीं है. तो ऐसे में हम आपके लिए कुछ खास ब्यूटी टिप्स लाए है, जिसे अपनाकर आप करवा चौथ के दिन एकदम परफेक्ट लग सकती हैं.

हाथों में लगाएं मेहंदी

मेहंदी हर त्योहार और सुहागिनों की पहचान होती है इसलिए करवाचौथ से एक दिन पहले अपने हाथों में मेहंदी जरूर लगाएं. मेहंदी मोहब्बत की पहचान है, क्योंकि इसके रंग की गहराई ये बताती है कि पति अपनी पत्नी को कितना प्यार करता है.

निखारें अपने हाथ और पैरों को

अपने हाथों और पैरों को और अधिक सुंदर बनाने के लिए आप वैक्सिंग, मैनिक्योर, पेडिक्योर आदि भी करा सकती हैं. नाखूनों के लिए बहुप्रचलित नेल आर्ट की ओर भी आप रुख कर सकती हैं.

फैस पैक का करें इस्तेमाल

त्वचा को स्वस्थ रखने और इसमें चमक बनाए रखने के लिए यह बहुत जरूरी है कि आप अधिक से अधिक पानी पीएं. मुल्तानी मिट्टी के साथ शहद वाले घर में बने घरेलू पैक का इस्तेमाल करें. अपने रोजाना की डाइट में फल और हरी सब्जियां लें.

ऐसे सजाएं अपने आंखों को

रंगीन या सबका ध्यान खींचने वाले रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें. आप डबल आई लाइनर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं. पहले साधारण ब्लैक लाइनर का इस्तेमाल करें और फिर उसके ऊपर रंगीन लाइनर का. अगर आप वाकई आई शैडो का इस्तेमाल करना चाहती हैं तो फिर आप कच्चे रंग को चुनें या फिर उसके ऊपर भूरा या काले रंग का इस्तेमाल स्मूक के तौर पर करें. आंख के बीचो-बीच कुछ ऐसे रंग का इस्तेमाल करें जो सबका ध्यान खींचे.

इन लिपिस्टिक को करें ट्राई

लिप्स यानी होंठ हमेशा ही आपके लुक को पूरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. मरून और लाल रंग की लिपिस्टिक का इस्तेमाल यहां न करें. किसी दूसरे मुख्य रंगों में से एक को चुनें, जैसे गहरा भूरा, बरगंडी ताकि आप कुछ अलग और आकर्षक लग सकें.

चेहरे को ऐसे बनाएं सुंदर

चेहरे पर फाउंडेशन एकसार लगाएं जिससे कि आपका मेकअप ज्यादा भड़कीला नहीं लगे. इसके बाद कॉम्पैक्ट पाउडर से टचअप करें. वहीं चेहरे की ड्राईनेस दूर करने के लिए क्रीम या लोशन लेकर हल्के हल्के हाथों से लगाएं. इससे आपकी स्किन को नमी बरकरा रहेगी और मेकअप लंबे समय तक बना रहेगा.

करवाचौथ पर पर ट्राई करें ये हेयर स्टाइल्स

करवाचौथ पर एथनिक आउफिट्स के साथ जूलरी और हेयर स्टाइल पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है. खासतौर पर एथनिक आउटफिट्स पर हेयर स्टाइल का एक खास रोल है लेकिन फिर भी कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट के साथ मैचिंग जूलरी का तो खास ख्याल रखते हैं लेकिन बालों पर सिर्फ शैम्पू और कंडीशनर करके इन्हें भूल जाते हैं. ऐसे में करवा चौथ के लिए हम आपको सजेस्ट कर रहे हैं कुछ हेयर स्टाइल्स आप इनमें से कोई भी एक हेयर स्टाइल पिक कर सकते हैं.

मेसी बन

आपने अगर सिर्फ सेलिब्रिटीज को ही इस लुक में देखा है, तो इस बार आप खुद भी इस हेयर स्टाइल को खुद पर अप्लाई करके देखें. एथनिक आउटफिट्स खासकर साड़ी, लहंगा-चोली के साथ मेसी बन से लुक बहुत अच्छा लगता है.

वेव वॉटरफॉल

इस हेयर स्टाइल में आपने कृति सेनन को देखा होगा. इस हेयर स्टाइल में बाल वेवी बनाकर आपको सारे बाल एक साइड करने होते हैं. आप चाहें, तो अपर साइड में एक फ्रेंच स्टाइल चोटी भी बना सकते हैं.

फिशटेल

यह हेयर स्टाइल कुर्ती या फिर सलवार-कमीज के साथ बहुत अच्छा लगता है. इस हेयर स्टाइल में आपको एक साइड से चोटी करनी होती है. आलिया भट्ट ने कई फिल्मों में इस हेयर स्टाइल को अप्लाई किया है.

ट्रेडिशनल बन विद गजरा

यह हेयर स्टाइल कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता. आपको ट्रेडिशनल बन यानी जूड़ा बनाकर इसमें गजरा सेट करना है. आपको अगर गजरा हैवी लगता है या फिर पसंद नहीं है, तो फिर ट्रेडिशनल बन में आप गुलाब का फूल भी लगा सकते हैं

90 के दशक में 'मर्डर' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत को फिल्म इंडस्ट्री में दो दशक से ज्यादा का वक्त हो रहा है। एक समय था जब उनकी और इमरान हाशमी की केमिस्ट्री स्क्रीन की चर्चित केमिस्ट्री में से एक रही थी। इन फिल्मों की वजह से ही एक्ट्रेस की छवि बोल्ड एक्ट्रेस वाली हो गई थी। उन्होंने खूब नेम और फेम कमाया था।

मल्लिका ने इमरान को बताया जेंटलमेन

एक्ट्रेस ने 'जीना सिर्फ मेरे लिए' से करियर की शुरुआत की थी और 'मर्डर' से खूब नाम कमाया था। इसमें उनका और इमरान हाशमी का बोल्ड सीन काफी चर्चा में रहा था। ऐसे में मल्लिका शेरावत ने इस सीन को लेकर बात की है और बताया वो काफी असहज हो गई थीं और इसके बाद उनके साथ इंडस्ट्री में कैसा बर्ताव होने लगा था। इसके बारे में भी बताया है। चलिए बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा है।

दरअसल, मल्लिका शेरावत इन दिनों फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' को लेकर चर्चा में हैं। इसे सिनेमाघरों में रिलीज कर दिया गया है। इसमें वो राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ नजर आ रही हैं। उन्होंने विजय राज के साथ रोमांस किया है।

इसी बीच एक्ट्रेस ने हाउटरफ्लाई से बातचीत की। इस दौरान फिल्म में दिए इंटीमेट सीन को लेकर एक्ट्रेस ने बात की और बताया कि कैसे वो इस सीन के दौरान असहज हो गई थीं फिर महेश भट्ट ने उनकी मदद की थी। इंटीमेट सीन के बारे में बात करते हुए मल्लिका शेरावत ने कहा था कि महेश भट्ट के सेट पर लड़कियां काफी सेफ थीं। उन्हें भी बोल्ड सीन करते समय काफी सेफ महसूस हुआ था। लेकिन, यूनिट के बहुत से लोगों के होने की वजर से वो थोड़ा असहज हो गई थीं। लेकिन, महेश भट्ट और इमरान हाशमी दोनों ने उन्हें काफी सहज किया था। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने इमरान को एक जेंटलमैन कहा था।

इंटीमेट सीन के बाद लोग करने लगे थे जज, रोती थीं एक्ट्रेस

इतना ही नहीं, मल्लिका शेरावत ने 'मर्डर' में इंटीमेट सीन देने के बाद के एक्सपीरियंस के बारे में भी बात की। उन्होंने रणवीर इलाहबादिया के पॉडकास्ट में फिल्म में काम करने के अनुभव के बारे में भी शेयर किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म में इंटीमेट सीन के बाद लोग उन्हें जज करने लगे थे। इस बात से वो काफी दुखी हो गई थीं। मल्लिका ने कहा कि 'मर्डर' की सक्सेस के बाद उन्हें आर्थिक आजादी मिली। इसके बाद वो अपनी शर्तों पर जीवन जी सकीं। अपने फैसले खुद ले सकीं। फिर वो गलत थे या सही।

महेश भट्ट ने दी थी सलाह

इसके साथ ही जब लोग उन्हें जज करने लगे थे तो एक्ट्रेस एक दिन रोते हुए महेश भट्ट के पास गई थीं और रोते हुए उनसे सारी बात बताई थी। इस पर महेश ने उन्हें सलाह दी थी कि बॉलीवुड में ऐसी कई लड़कियां हैं, ऐसे में एक और कोई मायने रखती है। फिल्ममेकर ने मल्लिका को सलाह दी थी कि लोग उन्हें उनके बोल्ड सीन्स के लिए शर्मिंदा करना चाहते हैं। बहरहाल, मल्लिका शेरावत की फिल्म 'मर्डर' को अनुराग बसु ने निर्देशित की थी। ये फिल्म उस समय बॉक्स ऑफिस पर छा गई थी।

इस मूवी से ना केवल मल्लिका का बल्कि इमरान हाशमी का भी करियर चमक उठा था। 90 के दशक की बेहतरीन एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार मल्लिका शेरावत इन दिनों फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' को लेकर चर्चा में हैं। वो लंबे समय के बाद फिल्मों में नजर आईं। इसमें उनकी और एक्टर विजय राज की केमिस्ट्री कमाल की रही। इस मूवी का निर्देशन राज शांडिल्य ने किया है। उन्होंने एक समय पर फिल्म 'मर्डर' जैसी फिल्मों में काम किया था। इसमें उनका और इमरान हाशमी का इंटीमेट सीन काफी चर्चा में रहा था।

इससे उन्होंने काफी लाइमलाइट बटोरी थी। ऐसे में अब उन्होंने साउथ फिल्मों में काम करने का अनुभव भी शेयर किया है। उन्होंने बताया कि एक डायरेक्टर ने ऐसी डिमांड कर दी थी, जिसे जानकर वो शॉक्ड रह गई थीं।

दरअसल, मल्लिका शेरावत ने हाल ही में बात की। इस दौरान उन्होंने साउथ फिल्म में एक फिल्म निर्माता के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया था। एक्ट्रेस ने याद किया कि वो एक गाने की शूटिंग कर रही थीं, जिसमें एक निर्देशक ने उनसे अपना ग्लैमरस अंदाज देखने के लिए कहा था। मल्लिका शेरावत ने बताया कि वो साउथ में एक गाना कर रही थीं। उनके पास डायरेक्टर आए और उनसे बोले थे कि वो देखना चाहते हैं कि एक्ट्रेस कितनी हॉट हैं। इस पर एक्ट्रेस ने उनसे कहा था कि ठीक है। फिर सामने से उनको सीन के बारे में समझाया गया कि हीरो उनकी कमर पर रोटियां सेकेगा।

मल्लिका ने किया था इनकार

मल्लिका शेरावत अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहती हैं कि वो ये दिखाना चाह रहे थे कि एक महिला कितनी हॉट है। डायरेक्टर ने उस सीन को बहुत ही जरूरी सीन भी बताया था। हालांकि, बाद में मल्लिका ने इस सीन को मना कर दिया था। क्योंकि उनका मानना था कि ये उनके लिए सही नहीं था। इतना ही नहीं, मल्लिका ने बॉलीवुड इंडस्ट्री की पोल खोलते हुए ये भी कहा था कि यहां लोगों को फिल्म पाने के लिए चमचागिरी करनी पड़ती है। मल्लिका कहती हैं कि वो लोगों की चापलूसी नहीं कर सकती हैं और इसके लिए तैयार भी नहीं हैं।

जिगरा के कलेक्शन को दिव्या खोसला ने बताया फेक

इंडस्ट्री में शुरू हुई नई वॉर

आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसे लेकर अब इंडस्ट्री में एक नया विवाद पनपता दिख रहा है। हाल ही में दिव्या खोसला कुमार ने आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा को लेकर एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया कि जिगरा के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन फेक हैं। सिनेमाघर खाली हैं और कोई भी अभिनेत्री की फिल्म देखने नहीं जा रहा। दिव्या ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जिगरा और आलिया भट्ट से संबंधित एक पोस्ट शेयर किया, जिसने हर तरफ खलबली पैदा कर दी और अब उनके इस पोस्ट के चलते बॉलीवुड में एक नई वॉर छिड़ती नजर आ रही है। दिव्या खोसला ने आलिया पर जिगरा के फर्जी कलेक्शन दिखाने का आरोप लगाते हुए खाली सिनेमाघर की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा- डखुद ही टिकट कराएं और फर्जी कलेक्शन की घोषणा कर दीजिए। मैं जिगरा देखने के लिए सिटी ऑफ मॉल पीवीआर गई, जहां थिएटर पूरी तरह खाली था। सभी थियेटर खाली पड़े हैं। आलिया भट्ट आपमें सच में बहुत जिगरा है। खुद ही टिकटें खरीदीं और फिर फेक कलेक्शन अनाउंस कर दिया। दिव्या के इस पोस्ट के बाद करण जौहर ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन पोस्ट देखकर लगता है कि करण का ये पोस्ट दिव्या खोसला को जवाब है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा- मूर्खों को दिया गया सबसे अच्छा भाषण मौन है।

भले ही करण ने अपने पोस्ट में दिव्या का नाम ना लिखा हो, लेकिन अभिनेत्री ने भी जवाब देने में देर नहीं लगाई। उन्होंने फिर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा- सच हमेशा मूर्खों को अपमानित करता है। एक अन्य पोस्ट में दिव्या ने लिखा- जब आप बेशर्मी से दूसरों की सही चीज चुराने के आदी हो जाते हैं, तो आप हमेशा मौन का आश्रय लेते हैं। तुम्हारे पास कोई आवाज नहीं होगी, कोई रीढ़ की हड्डी नहीं होगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आलिया की फिल्म 'जिगरा' ने देश में पहले दिन 4.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। हालांकि, दिव्या खोसला फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन को लेकर किसी भी तरह से आश्वस्त नहीं हैं। अभिनेत्री को लगता है कि फिल्म के कलेक्शन 'जिगरा' के पीछे के प्रोडक्शन हाउस के इशारे पर जारी किए गए हैं, जो हिंदी सिनेमा के प्रमुख फिल्म स्टूडियोज में से एक माना जाता है। दिलचस्प बात तो ये है कि दिव्या की सावी फिल्म में भी आलिया की जिगरा जैसी ही जेल ब्रेक कहानी दिखाई गई थी।

इसे कॉम्पिटिशन नहीं मानता..., सिंघम अगेन से भूल भुलैया 3 के क्लैश पर कार्तिक ने तोड़ी चुप्पी

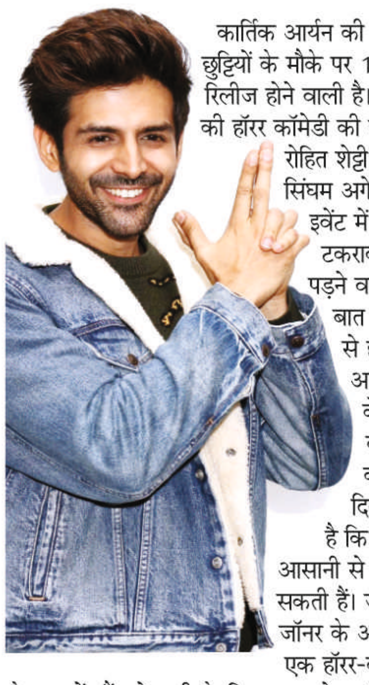

कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 दिवाली की छुट्टियों के मौके पर 1 नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। बॉक्स ऑफिस पर 2022 की हॉरर कॉमेडी की इस अगली कड़ी की भिड़ंत रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन से होगी। हाल ही में एक इवेंट में कार्तिक ने फिल्मों के टकराव और उससे बिजनेस पर पड़ने वाले असर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही अपने बयान से हर किसी का ध्यान आकर्षित किया। सिंघम अगेन के साथ बॉक्स ऑफिस क्लैश पर बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने कहा, दिवाली इतनी महत्वपूर्ण छुट्टी है कि मेरा मानना है कि दो फिल्में आसानी से सिनेमाघरों में एक साथ रह सकती हैं। जहां सिंघम अगेन एक्शन जॉनर के अंतर्गत आती है, हमारी फिल्म एक हॉरर-कॉमेडी है। एक फिल्म दर्शक के रूप में, मैं इसे सभी के लिए एक त्योहार के रूप में देखता हूं, जिसमें एक ही दिन में दो विकल्प होते हैं, जो इन दिनों हमारी इंडस्ट्री में दुर्लभ है। कार्तिक आर्यन ने अपनी बात में आगे जोड़ा, फिल्में जल्दी-जल्दी रिलीज नहीं हो रही हैं और हम इसके बारे में रोजाना पढ़ते हैं। अब, दिवाली के दौरान, हमारी दो फिल्में आ रही हैं जिनका दर्शकों को लंबे समय से इंतजार है। मैं उनकी फिल्म की सराहना करता हूं और मैं इसे देखूंगा भी। कार्तिक ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आप सभी भी हमारी फिल्म का समर्थन करेंगे। दोनों फिल्मों के सफल होने की प्रबल संभावना है। मैं इसे किसी कॉम्पिटिशन के रूप में नहीं देखता। दोनों फिल्मों में वर्सेज की कोई बात ही नहीं है।

इस फिल्म को देखकर जोया ने लिया था निर्देशन का फैसला, स्पाइडर मैन जैसी फिल्में बनाने का है मन

लेखिका और निर्देशका जोया अख्तर अपनी फिल्मों से प्रशंसकों के दिलों पर राज करती हैं। जोया आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। आइए आपको बताते हैं कि उन्होंने किस चीज को देखकर सिनेमा की दुनिया में आने का फैसला लिया। भारतीय फिल्म निर्देशक और लेखिका जोया अख्तर आज यानी 14 अक्तूबर को अपना जन्मदिन मना रही हैं। जोया को उनकी शानदार फिल्मों के लिए जाना जाता है। जोया ने अपने करियर की शुरुआत प्राइस ऑफ बुलेट्स नामक वीडियो एल्बम से की थी। इसके बाद उन्होंने निर्देशन का फैसला लिया। जोया ने कहा 15 साल की उम्र में मीरा नायर की सलाम बॉम्बे देखने के बाद मुझे इस क्षेत्र में आने का मन हुआ। उन्होंने बताया कि उनकी पसंदीदा फिल्म द गॉडफादर है, उनका सुपरमैन या स्पाइडरमैन जैसी फिल्में बनाने का मन है। उन्हें नृत्य करना, पढ़ना और अपने तीन कुत्तों के साथ समय बिताना पसंद है। उनका सबसे शर्मनाक पल मेड इन हेवन के सेट पर एक अभिनेत्री को निकालना था। जब उनसे वैकल्पिक करियर के बारे में पूछ गया, तो उनका उत्तर था - कानून।

इन फिल्मों का किया है निर्देशन

जोया अख्तर ने जिंदगी न मिलेगी दोबारा, बॉम्बे टॉकीज, दिल धड़कने दो, गली बॉय, खो गए हम कहां, मालेगांव के सुपरबॉयज, आर्चीज, तलाश, घोस्ट स्टोरीज जैसी फिल्मों के कारण जोया अख्तर को प्रशंसकों का प्यार मिलता है।

स्टेज ऐप पर दिखेगी राजस्थानी वेब सीरीज हुंकार

टीवी सीरियल बालिका वधू, कुछ रंग प्यार के ऐसे भी, दीया और बाती हम, बाबा ऐसो वर ढूंढो, रंगरसिया, भाभी जी घर पर हैं के अलावा कई फेमस सीरियल की कहानी लिखने वाले लेखक रघुवीर शेखावत इन दिनों स्टेज ऐप पर रिलीज होने वाली राजस्थानी वेब सीरीज हुंकार की शूटिंग जयपुर में कर रहे हैं। रघुवीर शेखावत ने बताया- हुंकार वेब सीरीज में दो ल ड़कियों की दोस्ती के साथ-साथ नारी शक्ति की कहानी गडी गई है। इसमें एक लड़की गलत राह पर चल पड़ती है और वह माफियाओं और बडे पॉलिटिशियन के चंगुल में फंस जाती है। जिसके बाद दोनों माफियाओं के खिलाफ हुंकार भरती हैं।

कहानी बेहद इंटरस्टिंग है। उम्मीद है दर्शकों को काफी पसंद आएगी। रघुवीर शेखावत ने कहा- हुंकार वेब सीरीज के माध्यम से हमारा यही प्रयास है कि हम राजस्थान की माटी और यहां की खुशबू, रंग, कल्चर देश-दुनियां के लोगों के सामने लेकर आ सकें। उन्होंने कहा- मेरे दिल में तमन्ना थी कि मुंबई में बहुत कुछ कर लिया है और अब राजस्थान में करना है। इस तमन्ना को पूरा करने के लिए मैं राजस्थानी सिनेमा में अपना योगदान देने के लिए मुंबई से यहां आया हूँ। हम राजस्थानी सिनेमा को एक बडे पटल पर ले जाने की कोशिश करेंगे।

जयपुर की हवेलियों में की शूटिंग

शेखावत ने बताया- वेब सीरीज की शूटिंग राजस्थान के जयपुर की जा रही है। इसके बाद सीकर के भारिजा गांव में शूटिंग होगी। जयपुर में कई हवेलियों, हॉस्पिटल व चौपालों पर शूटिंग की जा चुकी है। वेब सीरीज में जयपुर के साथ-साथ प्रदेश के उभरते कलाकारों वेब सीरिज में लिया गया है। हुंकार वेब सीरीज में मुख्य किरदार में राजस्थान की सुपरस्टार अभिनेत्री नीलू वाघेला नजर आएंगी। नीलू वाघेला राजस्थानी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्हें स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक दीया और बाती हम, सीक्वल तू सूरज मैं सांझ, पियाजी में संतोष अरुण राठी उर्फ भाभो की भूमिका के लिए भी जाना जाता है।

इसके अलावा अलीशा सोनी भी हुंकार में नजर आएंगी। अलीशा सोनी, अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा के साथ दहाड वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। साथ ही कई और बड़ी वेब सीरीज में भी काम किया है। इसके अलावा मेरे साई, सजन रे झूठ मत बोलो सीरियल में मुख्य किरदार निभाने वाले एक्टर सुकेश आनंद सहित कई फेम एक्टर सीरीज में नजर आएंगे।

अनिल शर्मा की जर्नी अब हुई वनवास, दशहरे पर की घोषणा

गदरः एक प्रेम कथा और गदर 2 जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अनिल शर्मा अब एक और दमदार कहानी के साथ दर्शकों के बीच दस्तक देने को तैयार हैं। अनिल शर्मा ने दशहरे के अवसर पर फैंस को एक अपनी अपकमिंग फिल्म की जानकारी देते हुए सरप्राइज कर दिया। अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों गदर- एक प्रेम कथा और गदर 2- द कथा कंटीन्यूज़ के लिए मशहूर अनिल शर्मा ने अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा की, जिसका नाम है वनवास। जी हां, दशहरे के मौके पर फिल्म निर्माता ने वनवास का ऐलान किया है। 'गदर 2' के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर दी है। अनिल ने आज शनिवार (12 अक्टूबर) को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें नई फिल्म 'वनवास' की पहली झलक पेश की।

चार दिन की शूटिंग के बाद अचानक कर दिया गया प्रभास की फिल्म से बाहर, रकुल का बड़ा खुलासा

रकुल प्रीत सिंह बॉलीवुड की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी फैन फॉलोइंग लाखों में है और वह अपने अभिनय से दर्शकों से दिलों पर राज करती हैं। रकुल ने अपने करियर की शुरुआत कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों से की थी। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने यारियां से कदम रखा था। अभिनेत्री ने हाल ही में मुंबई में अपने शुरुआती संघर्षों के बारे में खुलकर बात की।

इस दौरान उन्होंने यह भी याद किया कि कैसे चार दिन शूटिंग करने के बाद उन्हें प्रभास की फिल्म से अचानक निकाल दिया गया था। फिल्मफेयर से बात करते हुए रकुल ने कहा, मुझे लगता था कि अगर मुझे कोई भूमिका नहीं मिली तो कोई बात नहीं, मेरे लिए कुछ और है। मैं उस समय कांदिवली में रह रही थी। मैं अभिनेता/मॉडल सर्किट से अलग थी। मैं लगन से जाती और अपना काम करती थी।

बहुत सारे रिजेक्शन भी होते थे। तेलुगु में एक फिल्म थी, जिसकी मैंने चार दिनों तक शूटिंग की और बाद में मुझे रिप्लेस कर दिया गया। यह फिल्म प्रभास के साथ थी। उन्होंने कहा, डयह मेरी बेहतरी के लिए ही था। उस समय मैं नई थी और कॉलेज में दूसरे वर्ष में थी। मैं अपनी परीक्षाओं के लिए सेट पर अध्ययन करती थी। फिल्म का नाम मिस्टर परफेक्ट था । पहला शेड्यूल खत्म होने के बाद जब मैं दिल्ली गई तो वहां मुझे पता चला कि मेरी जगह काजल अग्रवाल को फिल्म में कास्ट कर लिया गया है। शूटिंग के दौरान काजल और प्रभास की एक और फिल्म रिलीज हुई थी और यह एक ब्लॉकबस्टर बन गई थी।

इसलिए निर्माताओं ने अपनी फिल्म में उसी कलाकार को दोहराने के बारे में सोचा। यह एक व्यावसायिक फैसला था। ऐसा कई बार होता है जब एक नई लड़की को बदल दिया जाता है। रकुल ने कहा, डमैं दिल्ली वापस गई और उन्होंने मुझसे कहा कि वे मुझे दूसरे शेड्यूल के बारे में बताएंगे। जब मैं दिल्ली वापस गई तो मुझे पता चला कि मैं रिप्लेस हो चुकी हूं। मैंने कहा कि ठीक है। मेरे लिए कुछ बेहतर होगा।

स्टाइलिश लुक में न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट हुई केटी होम्स

केटी होम्स एक जानी मानी अमेरिकी फिल्म एक्ट्रेस हैं, जो अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में केटी होम्स को न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट किया गया। इस दौरान केटी का स्टाइलिश लुक देखने को मिल रहा है। लुक की बात करें तो केटी व्हाइट शर्ट, ग्रे पैंट और कोट में दिखीं। उन्होंने लॉन्ग बैग कैरी किया था। शेड्स, पिंक ग्लोसी लिपस्टिक हसीना के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। केटी ने ओपन हेयर्स से लुक को पूरा किया था। इस दौरान केटी फोन में बिजी दिखीं। फैंस हसीना की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

बारां में नायब तहसीलदार 8 हजार रुपए रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

बारां। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बारां इकाई द्वारा सोमवार को कार्यवाही करते हुए सीसवाली उप तहसील के नायब तहसीलदार बाबूलाल गोचर को परिवादी से 8 हजार रुपए रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफतार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की बारां इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि परिवादी को उसकी दुकान का अतिक्रमण हटाने का नॉटिस व मामला रफादफा करने की एवज में बाबूलाल गोचर द्वारा 8 हजार रूपए रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी कोटा के उप महानिरीक्षक पुलिस शिवराज मीणा के सुपरवीजन में एसीबी की बारां इकाई के उप अधीक्षक पुलिस प्रेमचंद मीणा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। इसके बाद सोमवार सुबह उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी बाबूलाल गोचर को परिवादी से 8 हजार रुपए रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

कॉपर वायर चोरी का पर्दाफाश, नकबजनी के आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर के रामनगरिया पुलिस थाने को एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। उन्होंने कॉपर वायर चोरी की एक बड़ी वारदात का खुलासा किया है। इस मामले में नकबजनी करने वाले आरोपियों के साथ-साथ चोरी का माल खरीदने वाले व्यक्ति को भी गिरफतार किया गया है। मुलजिमों के पास से बड़ी मात्रा में चोरी की गई कॉपर वायर को जब्त किया गया है। ये मुलजिम रात के अंधेरे में निर्माणाधीन बिल्डिंगों से कॉपर वायर चोरी कर वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गोतम के नेतृत्व में जयपुर में हो रही नकबजनी और चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के प्रयासों के तहत यह बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। इस मामले में जुलाई 2024 में पुलिस थाना रामनगरिया में छोटा राम नामक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसके निर्माणाधीन प्रोजेक्ट महल निवास में प्लाट नम्बर 01 से रात के समय ताले तोड़कर अज्ञात लोग लगभग 1.5 लाख रुपये के कॉपर वायर चोरी कर ले गए थे। साथ ही, कमरे में रखा एक मोबाइल भी चोरी हो गया था।

इस रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आशाराम चौधरी और सांगानेर थाना प्रभारी अरुण कुमार के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई, जिसने तफ्तीश करते हुए संदिग्धों को चिन्हित किया। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए चोरी के माल की बरामदगी के साथ मुलजिमों को पकड़ लिया, जिससे जयपुर शहर में हो रही चोरी की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकेगा .

एड्स पीड़ित होने की बात छुपाकर की शादी

जोधपुर। एड्स संक्रमित होने की बात छुपाकर स्वस्थ व्यक्ति के साथ शादी करने और उसे जान-बूझकर षड्यंत्रपूर्वक एड्स से संक्रमित करने के एक मामले में पति ने अपनी पत्नी के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जोधपुर में एड्स पीड़ित पत्नी द्वारा पति को षड्यंत्रपूर्वक संक्रमित करने का मामला सामने आया है। हालांकि पहली बार में पति की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि संक्रमण हुआ है या नहीं इसके बारे में तीन से छः महीने बाद ही पता चल पाएगा। जानकारी के अनुसार युवती के एड्स से संक्रमित होने के कारण पहले भी उसकी सगाई टूट गई थी।

इसी वर्ष जुलाई महीने में युवती और उसके परिवार ने उसके संक्रमित होने की बात छुपाकर जोधपुर के ही एक युवक से उसकी शादी करवा दी। 9 जुलाई को शादी के बाद पत्नी के साथ संबंध बनाने के दौरान पत्नी ने यह जानते हुए भी कि बिना प्रोटेक्शन के संबंध बनाने से युवक भी संक्रमित हो सकता है उसे प्रोटेक्शन लेने से मना किया और उसके साथ संबंध बनाए। आगे भी ऐसा ही होता रहा लेकिन किसी बात पर पति को उस पर शक हुआ तो उसने पत्नी के मोबाइल की जांच की जिसमें उसके पुराने प्रेमी के नंबर मिले, जिस पर संपर्क करने के बाद युवक को सारे मामले का पता चला। जानकारी देते हुए प्रेमी ने बताया कि अवैध संबंधों के चलते युवती को फरवरी 2023 में एड्स हो गया था, जिसका इलाज वह पहले अजमेर और उसके बाद झालावाड़ में करवा रही थी, इसके साथ ही प्रेमी पति को उसकी जांच रिपोर्ट भी भेज दी।

हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा पांचवीं (पंचम) राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी

हैदराबाद (एजन्सी),

हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा पांचवीं (पंचम) राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कृष्ण मोहन सिंह (विभागाध्यक्ष श्री नरहेजी महाविद्यालय नरही रसड़ा बलिया उत्तर - प्रदेश) ने किया। यह कार्यक्रम गुगल मीट द्वारा आनलाइन किया गया जिसकी मिटिंग आइडी कवि एवं हिंदी अध्यापक उमेश चंद यादव द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की शुरुआत नीलेश जैन 'शिखा' द्वारा माँ सरस्वती वंदना से की गई। कार्यक्रम का संचालन अंजू पाण्डेय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन गंगा पचौरी ने किया। इस कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने अपनी मधुर स्वर में रचना प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा आयोजित पांचवीं राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में हिंदुस्तान के अनेक राज्यों से साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया और अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कर

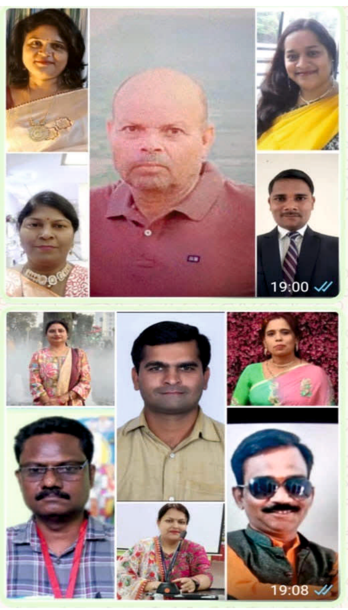

सबका मन मोह लिया। किसी ने गुरु , वीर रस तो किसी ने नारी शक्ति, प्रकृति प्रेम , हिंदी से प्यार, तिरंगा तो किसी ने सुहानी सुबह एवं बालिकाओं की शक्तिप्रधान कविताएं सुनाए।

सभा के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण मोहन सिंह जी ने काव्य साहित्य के इतिहास, काव्य की उपज एवं गुरु - शिष्य परंपरा पर प्रकाश डालकर सबका ज्ञान वर्धन एवं मार्गदर्शन किए। हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा आयोजित पांचवीं राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में काव्य पाठ करने वाले विद्वान डॉ. कृष्ण मोहन सिंह, कवि उमेश चंद यादव, गंगा पचौरी, विनोद गिरि 'अनोखा' , श्वेता प्रसाद,मुम्बई से अंजू पाण्डेय, छत्तीसगढ़ से विजेता शर्मा, नीलेश जैन शिखा, डॉ. इंद्रजीत सिंह, श्री निवास, इंदू झां आदि कवियों ने सभी को काव्य रस से सराबोर कर दिया। इस कार्यक्रम में प्रीति, विशाल, ज्योति आदि साहित्य प्रेमी भी शामिल हुए। सभी ने हिंदी साहित्य सेवक परिवार के इस पहल की खूब सराहना किया और कहा कि आगे भी साहित्यिक कार्यक्रम करते रहें। कार्यक्रम के अंत में कई सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया गया जिसमें नारी सुरक्षा एवं नैतिकता मुख्य विषय रहा। धन्यवाद व्यवस्थापक उमेश चंद यादव ने व्यक्त किया।

हीरा सोना चाँदी लकी ड्रा

हैदराबाद (एजन्सी),

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अग्रसेन जयंती समारोह में हीरा सोना चांदी लकी ड्रा निकाला गया जिसमें 100 ग्राम का चांदी का सिक्का गच्चीबोली शाखा के उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल को प्राप्त हुआ,

अग्रवाल समाज गच्ची बावली शाखा के मानद मंत्री पूर्व अध्यक्ष एवं संस्थापक के पी अग्रवाल ने हीरा सोना चांदी लकी ड्रा विजेता राजेश अग्रवाल उपाध्यक्ष गच्ची बावली शाखा को 100

ग्राम चांदी का सिक्का देकर सम्मानित किया, और उनको बधाई दी ,इस अवसर पर के पी अग्रवाल, गीता अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल, रानी, अंकित, आरव, नूपुर आदि सम्मिलित थे।

आदिलाबाद (एजन्सी), सोमवार को आदिलाबाद के समाहरणालय सभाकक्ष में जनसुनवाई के दौरान अपर समाहर्ता श्यामला ने याचिकाकर्ताओं से आवेदन प्राप्त किये।

लोकतंत्र पर गर्व की अनुभूति करें: विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राज्य के विभिन्न जिलों के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण पर जयपुर आकर राजस्थान विधानसभा और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कर ज्ञानवर्धन कर रहे हैं। डीडवाना-कुचामन जिले की कुचामन सिटी के बी. आर. खो मेमोरियल शिक्षण संस्थान के कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्रा और शिक्षक ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा आये। विधानसभा जन दर्शन के तहत विधानसभा को देखा और अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुलाकात की।

देवनानी ने बच्चों से परिचय लिया। उनके विद्यालय, पढाई और खेल गतिविधियों की जानकारी ली। देवनानी ने कहा कि बच्चे पढें, आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने बच्चों से कहा कि राष्ट्र प्रथम है। हमारे कार्यों में राष्ट्र प्रथम की भावना सदैव होनी चाहिए। देवनानी ने कहा कि

लोकतंत्र पर गर्व की अनुभूति करें। विधानसभा अध्यक्ष ने इस वर्ष 18 मई से राजस्थान विधानसभा जन-दर्शन कार्यक्रम आरम्भ किया था। इस कार्यक्रम के तहत आमजन प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक विधान सभा के द्वार संख्या 7 से आधार कार्ड की फोटो प्रति जमा कराकर विधान सभा में प्रवेश कर राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कर सकते हैं।

देवनानी ने बताया कि विधानसभा जन-दर्शन के तहत आमजन को विधानसभा से जुडाव को बढावा मिल रहा है।

राजस्थानी शैली व विशिष्ट वास्तु कला का दिग्दर्शन कराने वाली विधान सभा की अनूठी ईमारत में देश, प्रदेश के आमजन, शोधार्थी, पर्यटक और वि?द्यार्थी आसानी से भ्रमण कर राज्य के राजनैतिक परिदृश्य जानकारी का लाभ उठा रहे है। विधान सभा जन-दर्शन के तहत अभी तक 7416 लोगों ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन किया है।

हर चुनाव नया चुनाव होता है, प्रशिक्षण में न बरतें लापरवाही : जिला निर्वाचन

डूंगरपुर। विधानसभा उप चुनाव-2024 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने सोमवार को वीर बाला कालीबाई महाविद्यालय में आयोजित मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह निर्वाचन से जुड़े कार्य करते समय अपने कर्तव्यों का पालन करने और ईवीएम के प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नियुक्त मतदान अधिकारी टीम की भावना के अनुरूप एक दूसरे से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें और किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें। उन्होंने प्रशिक्षण में उपस्थित मतदान अधिकारियों से ईवीएम और वीवीपेट के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम की कमीशनिंग तैयारी और रवानगी की तैयारी को लेकर निर्धारित एसओपी की अक्षरशः पालना होनी चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान अधिकारियों से मतदान दिवस से पूर्व मतदान दिवस और मतदान के बाद की एसओपी को लेकर सवाल करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

78 नगरीय निकायों में राजनीतिक नियुक्तियों पर सरकार का यू-टर्न नियुक्ति के आदेश को 6 घंटे बाद ही किया कैंसिल, नए सिरे से होगी एक्सरसाइज

जयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रदेश के 78 नगरीय निकायों में की गई राजनीतिक नियुक्तियों पर महज 6 घंटे बाद ही यू-टर्न ले लिया है। स्वायत्त शासन निदेशालय के निदेशक कुमार पाल गौतम ने 13 अक्टूबर (रविवार) को रात करीब 7 बजे इन निकायों में 499 सहवृत्त सदस्य (पार्षद) मनोनीत किए थे। इनमें 5 नगर निगम, 10 नगर परिषद और 63 नगर पालिका हैं। लेकिन, रात करीब 1 बजे इस आदेश को रद्द कर दिया।

नियुक्ति रद्द करने के पीछे प्रशासनिक कारण बताया है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि बीजेपी के ही कई पदाधिकारी (स्थानीय स्तर के) इन नियुक्ति से संतुष्ट नहीं थे। नियुक्ति देकर कुछ ही घंटों में वापस छीनने के मामले की सियासी हलकों में चर्चा शुरू हो गई। कुछ लोग इस निर्णय के पीछे बीजेपी की अंदरूनी सियासत को जिम्मेदार मान रहे हैं। बताया जा रहा है कि विधानसभा क्षेत्रों में ब्लॉक और जिला अध्यक्ष के अलावा स्थानीय स्तर पर पार्टी के पदाधिकारी इन नियुक्तियों से संतुष्ट नहीं थे।

जयपुर में 200 फीट चौराहे पर नहीं लगेगा जाम दो फ्लाईओवर और अंडरपास बनेंगे, 200 करोड़ रुपए से भी ज्यादा खर्च होंगे

जयपुर। जयपुर में अजमेर रोड 200 फीट पुलिया जंक्शन (चौराहे) पर हमेशा लगने वाले जाम से आने वाले दिनों में निजात मिलेगी। इस जंक्शन पर सुगम ट्रेफिक संचालन के लिए प्लान तैयार किया है। इसके तहत यहां दो फ्लाईओवर, जबकि अप-डाउन के लिए दो अंडरपास का भी निर्माण किया जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 200 करोड़

रुपए से भी ज्यादा की लागत आएगी। ये काम नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) करवाएगा। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय आर्य ने बताया- यहां ट्रैफिक जाम की समस्या कई साल से हो रही है। यहां के जनप्रतिनिधि के अलावा जेडीए, जिला प्रशासन और ट्रेफिक पुलिस के अधिकारियों से भी चर्चा हो चुकी है। इसके बाद यहां हमने एक प्लान तैयार किया है, जिस पर जल्द काम शुरू करवाया जाएगा।

ये होगा प्रोजेक्ट

मानसरोवर से वैशाली नगर, सिरसी रोड, कालवाड़

रोड आने-जाने वाले ट्रेफिक के लिए अंडरपास बनाया जाएगा। अभी सबसे ज्यादा जाम इन दोनों ही अप-डाउन रूट पर रहता है। यहां सुबह-शाम 2 या तीन बार सिग्नल होने पर भी चौराहा पार करना मुश्किल होता है।

ये दोनों अंडरपास 650 से 850 मीटर की लम्बाई में बनाए जाएंगे।

सोडाला, पुरानी चूंगी से आने वाला ट्रेफिक जो भांकरोटा, बगरू, अजमेर की तरफ जाता है उसके लिए चौराहे पर एक डबल लेन का फलाइओवर बनाया जाएगा। ये फलाइओवर वन-वे होगा। अजमेर, बगरू, भांकरोटा की दिशा से सोडाला, पुरानी चूंगी जाने वाला ट्रेफिक वर्तमान में जिस तरह जाता है वैसे ही गुजरेगा।

अजमेर, बगरू, भांकरोटा की दिशा से दिल्ली, सीकर जाने वाले ट्रेफिक के इसलिए 200 फीट पुलिया के समानान्तर एक नया फ्लाइओवर बनाया जाएगा। ये फ्लाइओवर करीब 1600 मीटर या उससे भी ज्यादा लंबाई में होगा।

जयपुर में 25 सवारियों से भरी बस में आग

जयपुर। जयपुर में रविवार (1 अक्टूबर) रात चलती प्राइवेट बस में आग लग गई। बस में सवार 25 यात्रियों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। चलती बस के नीचे बाइक आ गई, जिसकी वजह से निकली चिंगारी से बस में आग लग गई। बस यात्रियों ने कहा कि लाखों की ज्वेलरी सहित उनके कीमती सामान जल गए। या पेट्रोल पम्प पहुंची थी। इसी दौरान एक बाइक बस के नीचे आ गई। उससे चिंगारियां निकलीं। इससे आग लग गई। ड्राइवर बस से कूद गया। सवारियों में चीख-पुकार मच गई। सवारियां भी किसी तरह बस से उतरीं। उनका सामान बस में ही रह गया था।

एक घंटे में आग पर काबू पाया

मालपुरा गेट थाना पुलिस ने दो दमकलों की मदद से प्राइवेट बस में लगी आग पर करीब एक घंटे में काबू पाया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। SHO (मालपुरा गेट) हिम्मत सिंह ने बताया- बस की चपेट में आकर बाइक पूरी तरह से जल गई। बाइक के मालिक के बारे में जानकारी जुटाने के प्रयास कर रहे हैं।

मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी राकेश ने बताया- मैंने देखा तो केबिन में आग लग चुकी थी। पेट्रोल पंप से मैं अग्निशमन सिलेंडर लेकर आया। बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। उन्होंने बताया- एक्सीडेंट कैसे हुआ ये मैंने नहीं देखा। जैसे ही हादसे और आग की सूचना मिली तो कंट्रोल रूम को सूचित किया था। इसके बाद दमकल का वाहन आया और आग बुझाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

एक दंपती ने अपना जला हुआ सामान दिखाते हुए कहा- सोना-चांदी सब जल गया। इस बैग में यह गोल्ड की ज्वेलरी थी। हम बस में सवार थे। बैग ऊपर रखा था। एक्सीडेंट हुआ तो हम निकलकर भागे। बैग संभालने का मौका नहीं मिला। महिला ने कहा- हम भाई की शादी में यूपी के फर्रुखाबाद जा रहे थे। एक यात्री सईद हसन ने बताया- मैंने फर्रुखाबाद जाने के लिए टिकट लिया था। सांगानेर से बस गुजर रही थी। अचानक केबिन की तरफ रोशनी हुई तो ड्राइवर उतर कर भाग गया। उसने आवाज तक नहीं लगाई। हम परिवार के साथ थे। सबकी जान बचाने के लिए बस से उतर गए। सईद ने अपना जला हुआ मोबाइल दिखाया। उन्होंने कहा- सभी सवारियां अलग-अलग जगह जा रही थीं। अधिकतर सवारियां फर्रुखाबाद की थीं। सांगानेर से 15-20 सवारियां बस में बैठी थीं।

जयपुर में शेरनी ने शावक को जन्म दिया, देखरेख और फीडिंग से बनाई दूरी, केयर यूनिट में किया शिफ्ट

जयपुर। बायोलॉजिकल पार्क में शेरनी तारा ने देर रात एक शावक को जन्म दिया। शेरनी तारा ने शावक की देखरेख और फीडिंग नहीं करवाई। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने शावक को नियो नेटल केयर यूनिट में रखा है।

वन विभाग ने अधिकारी ने बताया- नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शेरनी तारा ने रात करीब 1ः15 बजे शावक को जन्म दिया। शेरनी तारा की ओर से शावक की केयर नहीं की जा रही थी। शावक की देखरेख नहीं करने के साथ ही शेरनी तारा ने शावक को फीडिंग भी नहीं करवाई।

शावक की स्थिति सामान्य

वन विभाग की टीम ने शावक की देखरेख के लिए रात करीब 3ः30 बजे हॉस्पिटल में शिफ्ट किया। बायोलॉजिक पार्क के ही नियो नेटल केयर यूनिट में शावक को रखा गया है। शावक की स्थिति सामान्य है। डॉक्टर व स्टाफ की ओर से गहनता से मॉनिटिरिंग की जा रही है। फिलहाल उसे वन विभाग के

अधिकारियों की देखरेख में ही रखा जाएगा। ताकि उसे स्वस्थ एवं सुरक्षित रखा जा सके।

प्रदेश की पहली नाहरगढ़

लायन सफारी में तीन लायन लाए गए थे। शेरनी तेजिका के ये तीनों शावक तेजस, त्रिपुर और तारा हैं। शेरनी तारा का भी जन्म मई-2017 में नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में ही हुआ था।

शेरनी तेजिका की मौत हो चुकी है। शेर तेजस और त्रिपुर का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। इसके चलते ही लायन सफारी की अकेले शेरनी तारा शान बनी हुई है।

विकास ही हमारा शब्द - मुख्यमंत्री सिद्धरामैया

बल्लारी (एजन्सी),

कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि आज 1500 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास इस बात का प्रमाण है कि विकास ही हमारा शब्द है। सोमवार को बल्लारी जिले के संडूर में जिला प्रशासन और जिला पंचायत द्वारा आयोजित संडूर तालुक के साधना समावेश का उद्घाटन करते हुए ये बातें कहीं।

संडूर तालुका एक ऐतिहासिक, राजनीतिक, आर्थिक और अपनी प्राकृतिक संपदा के कारण महत्वपूर्ण है। यह राज्य के सबसे पिछड़े तालुकों में से एक था। इसके लिए जिला खनिज विकास निगम निधि, के.के.आर.डी.बी. उद्योगों के अनुदान, सामाजिक उत्तरदायित्व अनुदान से अब बहुत विकास हुआ है। संडूर शहर को तुंगभद्रा नहर से पीने के पानी की आपूर्ति की जा रही है। इस पानी को तालुका के सभी गांवों में पहुंचाने की योजना बनाई गई है। तालुका अस्पताल को अपग्रेड किया गया है। बस स्टैंड, बस डिपो, बाई पास रोड बनाया है। उन्होंने कहा कि तालुका के लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा कि सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत संडूर निर्वाचन क्षेत्र को बहुत सारे अनुदान दिए हैं। लोकसभा सदस्य तुकाराम ने परिचय देते हुए अपने द्वारा शुरू की गई विभिन्न विकास परियोजनाओं के बारे में बताया। उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार, जिला प्रभारी मंत्री जमीर अहमद, मंत्री सतीश जराकीहोली, विधायक डॉ. श्रीनिवास, लता मल्लिकार्जुन, भरतरेड्डी, बी.एम. नागराज, जे.एन. गणेश, केएमएफ अध्यक्ष भीमानायक, केपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष अल्लम वीरभद्रप्पा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्लम प्रशांत, लिडकर अध्यक्ष मुंड्रिगी नागराज, जिला पंचायत पूर्व सदस्य के.एम. हलप्पा, विधान परिषद के पूर्व सदस्य के.एस.एल. स्वामी, जिला पंचायत सीईओ राहुल शरणप्पा और अन्य उपस्थित थे।

जिलाधिकारी प्रशांत कुमार मिश्र ने स्वागत किया। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने नारीहल्ला जलाशय को बागीन समर्पित किया। खास बात यह है कि दिवंगत देवराज अरसु के बाद सिद्धरामैया इस जलाशय से जुड़े दूसरे मुख्यमंत्री हैं।

अतापुर के शिव मंदिर में लगाया गया 83 फीट ऊंचा सनातनी ध्वज

हैदराबाद (एजन्सी),

देश में एक से बढ़कर एक ऊंचाई देते हुए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा बहुत जगह लगे देखे हैं लेकिन इस बार अतापुर के चिन्ना अनंतागिरी शिव मंदिर में राम भक्तों ने 83 फीट ऊंचा सनातनी ध्वज स्थापित कर कीर्तिमान स्थापित किया है।

बड़े ही विधि विधान के साथ अनेक गणमान्य लोगों की मौजूदगी में पूजा अर्चना कर जय श्री राम के नारे लगाते हुए ध्वज को लंबे पोल के शिखर पर चढ़ाया गया।

एलआईसी ने इंश्योरेंस पॉलिसी के नियमों में किया बदलाव, एंट्री उम्र घटाई, प्रीमियम बढ़ाया!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम ने अपने न्यू एंडोमेंट प्लान में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब इस योजना में एंट्री की उम्र 55 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष कर दी गई है, जो उम्रदराज लोगों के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसके अलावा प्रीमियम में भी वृद्धि की गई है, जो कि 1 अक्टूबर, 2024 से लागू होगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ मृत्यु की संभावना के कारण कंपनी अपने जोखिम को कम करना चाहती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने नए सरेंडर नियम भी लागू किए हैं। एलआईसी का न्यू एंडोमेंट प्लान-914 न सिर्फ आपको सुरक्षा कवर देता है बल्कि यह सेविंग प्लान भी है। इसमें मृत्यु और परिपक्वता के लाभ एक साथ मिल जाते हैं। एंडोमेंट प्लान वाली इंश्योरेंस पॉलिसी में आपको लाइफ कवर के साथ ही मैच्योरिटी बेनिफिट भी मिलते हैं। इसके चलते पॉलिसी के दौरान व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर परिवार को भुगतान किया जाता है। साथ ही मैच्योरिटी पर अलग लाभ मिलते हैं। हालांकि, हालिया बदलावों के बारे में एलआईसी ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। एलआईसी ने सरेंडर वैल्यू नियमों के हिसाब से करीब 32 प्रोडक्ट में बदलाव किए हैं। सूत्रों का अनुसार, प्रीमियम के रेट भी करीब 10 फीसदी बढ़ गए हैं। इसके अलावा न्यू जीवन आनंद और जीवन लक्ष्य में सम अस्योर्ड भी 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया गया है। दूसरी तरफ प्राइवेट कंपनियों ने एंडोमेंट प्लान के प्रीमियम रेट 6 से 7 फीसदी ही बढ़ाए हैं।

सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले ! बोनस देगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए दिवाली बोनस का ऐलान कर दिया है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए नॉन प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस देने का ऐलान किया है। इस बोनस के तहत केंद्रीय कर्मचारियों को 30 दिनों के वेतन के बराबर राशि प्राप्त होगी। यह बोनस समूह 'सी' और समूह 'ब' के गैर-राजपत्रित कर्मचारियों के लिए है, जो किसी भी उत्पादकता से जुड़े बोनस योजना का हिस्सा नहीं हैं। बोनस की गणना के लिए अधिकतम मासिक वेतन 7,000 रुपए निर्धारित किया गया है। यह बोनस केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और सशस्त्र बलों के कर्मियों के साथ-साथ केंद्र सरकार के वेतन ढांचे का पालन करने वाले केंद्र शासित प्रदेशों के कर्मचारियों पर भी लागू होगा। बोनस के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों को 31 मार्च, 2024 तक सेवा में होना चाहिए और वर्ष के दौरान कम से कम छह महीने की निरंतर सेवा पूरी करनी चाहिए। जिन कर्मचारियों ने पूरे एक साल से कम समय तक सेवा की है, उन्हें काम किए गए महीनों की संख्या के आधार पर आनुपातिक बोनस मिलेगा। बोनस राशि की गणना औसत परिलब्धियों को 30.4 से विभाजित करके, फिर उसे 30 दिनों से गुणा करके की जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी कर्मचारी का मासिक वेतन 7,000 रुपए है, तो उनका बोनस लगभग 6,908 रुपए होगा। लगातार तीन वर्षों तक एक वर्ष में कम से कम 240 दिन काम करने वाले आकस्मिक मजदूर भी इस बोनस के लिए पात्र होंगे, जिसकी गणना 1,200 रुपए प्रति माह के आधार पर की जाएगी।

युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच द्वारा हिंदी साहित्य में सूफी संतों के योगदान पर संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद (एजन्सी),

युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच (पंजीकृत न्यास) आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा की वर्चुअल सत्रहवीं संगोष्ठीआयोजित की गई। डॉ. रमा द्विवेदी (अध्यक्ष, तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश शाखा) ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह कार्यक्रम प्रखर व्यंग्यकार रामकिशोर उपाध्याय (दिल्ली) की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

नगर की सुप्रसिद्ध वरिष्ठ साहित्यकार डॉ सुषमा देवी बतौर मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ साहित्यकार एवं प्रखर समीक्षक डॉ जयप्रकाश तिवारी (लखनऊ) विशिष्ट अतिथि मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीतज्ञ सुश्री शुभ्रा महंतो के द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रदेश इकाई की अध्यक्षा डॉ रमा द्विवेदी ने अतिथियों का परिचय दिया एवं शब्द पुष्पों से अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने संस्था का परिचय देते हुए कहा - युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच ,दिल्ली (पंजीकृत न्यास) एक वैश्विक संस्था है जो हिंदी साहित्य के प्रचार -प्रसार के साथ अन्य सभी भाषाओं के संवर्धन हेतु कार्य करती है। वरिष्ठ साहित्यकारों के विशिष्ठ साहित्यिक योगदान हेतु उन्हें हर वर्ष पुरस्कृत करती है। युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना , प्रोत्साहित करना एवं उन्हें सम्मानित करना भी संस्था का एक विशेष उद्देश्य है।

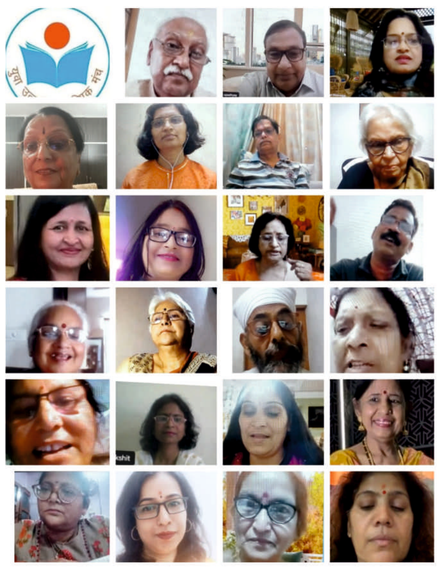

विशिष्ट अतिथि डॉ जयप्रकाश तिवारी ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा - "साधक और साध्य", "बंदे और खुदा" के बीच 'निर्मल प्रेम तत्व' को सूफियों ने इतनी तल्लीनता से हृदयंगम होकर सींचा है कि हिन्दी साहित्य की निर्गुण धारा में 'प्रेमाख्यान काव्यधारा' नाम से एक नई नवेली, दुलारी, प्यारी परंपरा ही चल पड़ी, जिसे 'संत साहित्य' के नाम से सूफी संतों, मुस्लिम संतों और भारतीय संतों ने मिलजुल कर गाया। जुगलबंदी, संगति ऐसी कि प्रेम और प्रेम में विरह भक्ति, प्रेमी के लिए तड़प, प्रणय और सायुज्य की ललक भक्ति का एक निर्मल मानक बनकर 'भक्तिकाल' को हिंदी साहित्य का मुकुटमणि, स्वर्ण काल बना गया। निष्कर्ष: हम कह सकते हैं कि भक्तिकाल के विकास और उसे हिंदी साहित्य का 'स्वर्णकाल' बनाने में सूफियों का महत्वपूर्ण योगदान है।"

मुख्य वक्ता डॉ सुषमा देवी ने अपने तथ्यपरक एवं शोधपूर्ण वक्तव्य में कहा -"हिंदी साहित्य को स्वर्ण युग बनाने में सूफी संतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है । प्रबंध काव्य शैली, लोक जीवन की उपस्थिति, लोक भाषा के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना के विकास में सूफी संतों ने अप्रतिम योगदान दिया। भारतीय सांस्कृतिक समन्वय की विराट चेष्टा करते हुए विविधता में एकता की दृष्टि को सूफी संतों ने पुष्ट किया।" संगोष्ठी के अध्यक्ष रामकिशोर उपाध्याय ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा - "सूफी कवियों ने वेदांत, ज्योतिष, संगीत ,काव्य शास्त्र, तत्व ज्ञान ,शरीर ,जीवात्मा और मनोवृत्तियों को लेकर प्रेम -कहानियों को काव्य रूप में हिन्दू कवियों की तरह ही गूंथा है। इन सभी सूफी संत कवियों ने पाठकों के सभी वर्गों की रुचि का ध्यान रखते हुए प्रेम ,शास्त्र-ज्ञान और वैराग्य तीनों का समन्वय करके हिंदी साहित्य /काव्य को समृद्ध ही नहीं किया बल्कि हिंदी -मुस्लिम समाज के मध्य सौहार्द स्थापित करने का एक श्लाघनीय प्रयास भी किया है। सभी सूफी कवि हिंदी साहित्य में अपने अमूल्य योगदान हेतु हमेशा याद रखे जायेंगे।" इस परिचर्चा में डॉ राशि सिन्हा ने अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत करके सहभागिता निभाई और दर्शन सिंह एवं बिनोद गिरि अनोखा ने गुरु वाणी पर बात रखी। तत्पश्चात दूसरे सत्र में काव्य गोष्ठी आयोजित की गई।

उपस्थित रचनाकारों ने विविध विषयों पर सृजित सुंदर -सरस रचनाओं का काव्य पाठ करके वातावरण को खुशनुमा बना दिया। सुश्री विनीता शर्मा(उपाध्यक्ष) , शिल्पी भटनागर , दर्शन सिंह ,डॉ सुषमा देवी , डॉ राशि सिन्हा ,सरिता दीक्षित ,डॉ रमा द्विवेदी, डॉ जयप्रकाश तिवारी (लखनऊ), प्रियंका पाण्डे , किरण सिंह, इंदु सिंह , बिनोद गिरि अनोखा ,शुभ्रा महंतो ,राजेश कुमार सिंह 'श्रेयस ' (लखनऊ) ,शोभा देशपाण्डे ,उषा शर्मा , डॉ किरण कुमारी (रांची) काव्यपाठ किया। श्री रामकिशोर उपाध्याय (दिल्ली) ने अध्यक्षीय टिप्पणी में कहा कि आज की संगोष्ठी बहुत सफल और सार्थक रही। सभी रचनाकारों की विविध रससम्पृक्त रचनाओं में गीत , ग़ज़ल, मुक्तक , कविता ,क्षणिका एवं भक्ति गीत की प्रस्तुति ने सुन्दर समां- सा बाँध दिया।

उन्होंने सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं और अध्यक्षीय काव्य पाठ किया। तृप्ति मिश्रा , रमाकांत श्रीवास, पूनम झा (दिल्ली), भगवती अग्रवाल , डॉ सुरभि दत्त (संयुक्त सचिव) डॉ ममता श्रीवास्तव 'सरूनाथ' (दिल्ली) रेखा अग्रवाल ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की । संगोष्ठी का संचालन सुश्री शिल्पी भटनागर (संगोष्ठी संयोजिका) ने किया और सुश्री किरण सिंह के आभार प्रदर्शन से कार्यक्रम समाप्त हुआ।

सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 1.84 प्रतिशत पर पहुंची, सब्जियों और खाने-पीने की चीजें महंगी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर महीने में थोक महंगाई बढ़कर 1.84 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इससे पहले अगस्त में थोक महंगाई घटकर 1.31 प्रतिशत पर आ गई थी। जुलाई में ये 2.04 प्रतिशत पर थी। सब्जियों और खाने-पीने के चीजों के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ी है। रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 2.42 प्रतिशत से बढ़कर 6.69 प्रतिशत हो गई।

खाने-पीने की चीजों की महंगाई 3.26 प्रतिशत से बढ़कर 9.47 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -0.67 प्रतिशत से घटकर 4.05 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.22 प्रतिशत से घटकर 1 प्रतिशत रही। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है।

ऑटो लोन लेने वालों को छूट दे रहे बैंक, डीलर भी कर रहे ऑफर की पेशकश; कर्ज लेते समय इन बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में कारों की रिकॉर्ड बिक्री का अनुमान है। डीलरों ने भी इसके लिए खास तैयारियां की हैं। वे खरीदारों को कार के मॉडल के अनुसार छूट और विभिन्न प्रकार के ऑफर पेश कर रहे हैं। बैंक भी ऑटो लोन पर विभिन्न प्रकार की रियायत दे रहे हैं। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के उपाध्यक्ष साई गिरधर का कहना है कि यह त्योहारी सीजन कार खरीदने का अच्छा मौका है क्योंकि डीलरों के पास 79,000 करोड़ रुपये के 7.9 लाख वाहनों का स्टॉक पड़ा है। आप भी त्योहारी सीजन में नई कार खरीदना चाहते हैं तो ऑटो लोन लेते समय कुछ बातों का ध्यान रखें।

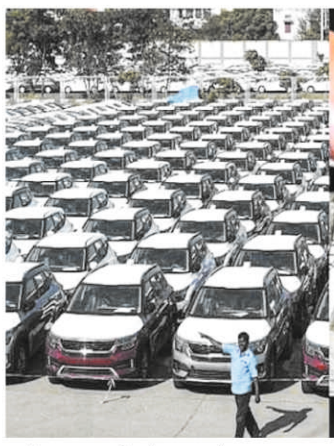

क्रेडिट स्कोर जरूर देखें

कार लोन लेने से पहले क्रेडिट स्कोर की जांच जरूर करें। इसे देखने के बाद ही बैंक तय करते हैं कि किस खरीदार को कितने ब्याज पर कर्ज देना है। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है तो आपको कम ब्याज पर आसानी से कार लोन मिल जाएगा। आमतौर पर क्रेडिट स्कोर 750 से कम नहीं होना चाहिए। हालांकि, इससे कम क्रेडिट स्कोर पर भी कुछ बैंक व वित्तीय संस्थान ग्राहकों की प्रोफाइल के आधार पर कार लोन ऑफर करते हैं। विभिन्न बैंक ग्राहकों की प्रोफाइल और पुनर्भुगतान क्षमता को देखते हुए अलग-अलग ब्याज दर पर कार लोन ऑफर करते हैं। इसलिए, कार लोन लेने से पहले सभी बैंकों की ब्याज दर की तुलना जरूर करें।

जिस बैंक की ब्याज दर सबसे कम हो, उसी से कर्ज लें। बैंक दो तरह से कर्ज देते हैं...फिक्स्ड दर और फ्लोटिंग दर पर। कर्ज लेते समय इनका भी ध्यान रखें।

फिक्स्ड व फ्लोटिंग दर में अंतर

फिक्स्ड दर- इसमें ब्याज दर अधिक होती है। पूरी कर्ज अवधि के लिएईएमआईएक समान होती है। जोखिम कम होता है।इसमें कर्ज अवधि तीन से 10 साल होती है।खास बात है कि एक समान ईएमआई की वजह से मासिक बजट बनाना आसान होता है।

फ्लोटिंग दर- इसमें ब्याज दर कम होती है। पूरी कर्ज अवधि के दौरानईएमआईबदलती रहती है, जिससे बजट बनाने में मुश्किल आती है।इसमें जोखिम अधिक होता है।इसमें कर्ज भुगतान अवधि 20 से 30 साल होती है।

सर्विस टैक्स के बारे में पूछें

सर्विस टैक्स ऐसा पहलू है, जिसके बारे में ज्यादातर कार लोन लेने वाले नहीं जानते। यह एक बुनियादी शुल्क है, जो बैंक अपनी सेवा के बदले लेते हैं। कुछ बैंक एकमुश्त राशि के रूप में सर्विस टैक्स लेते हैं, जबकि कुछ सालाना चार्ज करते हैं।

5जी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में आएंगे 37 लाख करोड़ रुपये, दूरसंचार मंत्री सिंधिया ने किया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार क्षेत्र की 5जी तकनीक के कारण 2040 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 450 बिलियन डॉलर यानी करीब 37 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को यह दावा किया।

नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में दुनिया के सबसे बड़े दूरसंचार कार्यक्रमों में से एक वैश्विक मानक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, अकेले भारत में, 5जी से 2040 तक अर्थव्यवस्था में 450 बिलियन डॉलर का निवेश होने का अनुमान है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि 5जी केवल तेज इंटरनेट का मामला नहीं है, बल्कि यह स्मार्ट शहरों, उन्नत बुनियादी ढांचे और स्वायत्त नवाचारों के लिए आधार तैयार कर रहा है। सिंधिया ने आगे कहा कि 5जी पहले ही सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हो चुका है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केवल 22 महीनों में 98 प्रतिशत जिलों और 80 प्रतिशत आबादी को इसने कवर कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत की तकनीकी शक्ति क्षमता के साथ वैश्विक मानकों के अनुसार नवाचार में हमारे बदलाव के प्रयासों को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा, हम स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कृषि व विनिर्माण के क्षेत्र में संभावनाओं के नए द्वार खोल रहे हैं।

मंत्री ने 5जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीकों की पूरी क्षमता को अनलॉक करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक मानक यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि ये तकनीकें सीमाओं के पार सामंजस्यपूर्ण ढंग से काम करें। उन्होंने कहा, संवाद के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। 5जी का चमत्कार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चमक और इंटरनेट ऑफ थिंग्स की उपयोगिता वैश्विक स्तर पर उद्योगों, समाजों और विनिर्माण प्रक्रियाओं और अर्थव्यवस्थाओं को बदल रही हैं। सिंधिया ने एआई और आईओटी जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के बढ़ने की स्थिति में गोपनीयता, पूर्वाग्रह और पारदर्शिता से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए नैतिक विचारों और नियामक ढांचे के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक नीतिगत ढांचे का आह्वान किया कि भविष्य के नवाचार, जैसे कि आगामी 6G तकनीक, सभी को समान रूप से लाभान्वित करें और मौजूदा डिजिटल विभाजन को गहरा न करें।

उन्होंने कहा, आज हम एक नए तकनीकी युग के मुहाने पर खड़े हैं, मोबाइल नेटवर्क 6जी के दौर में प्रवेश करने वाला है, जहां संचार असीम हो जाएगा, जहां नवाचार की कोई सीमा नहीं होगी और मानवता द्वारा, परस्पर जुड़ाव हमारी साझा वैश्विक नियति की आधारशिला बन जाएगा।

सिंधिया ने वैश्विक समुदाय से भविष्य के तकनीकी परिदृश्य को परिभाषित करने वाले मानकों को स्थापित करने और साझेदारी को बढ़ावा देने में एक साथ काम करने का भी आग्रह किया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रौद्योगिकी का भलाई के लिए इस्तेमाल हो।

अमेरिका से पढ़ाई, संभाली पिता की गद्दी... दिग्गज कारोबारी घराने किर्लोस्कर घराने से हैं नोएल टाटा की बहू

नई दिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते की शुरुआत में रतन टाटा का निधन हो गया था। वह टाटा समूह के चेयरमैन एमेरिटस थे। 86 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया से अलविदा कहा। इसके बाद उनके सौतेले भाई 67 साल के नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का चेयरमैन चुना गया। टाटा ट्रस्ट मूल रूप से टाटा संस की मालिक है। इसके पास होल्डिंग कंपनी में 66 फीसदी हिस्सेदारी है। नोएल टाटा के नया चेयरमैन बनने के बाद से उनके परिवार के बारे में काफी लोग जानना चाहते हैं। आज हम आपको उनकी बहू मानसी से मिलाते हैं।

मानसी की शादी नोएल टाटा के बेटे नेविल टाटा से हुई है। वह पुणे के दिवंगत उद्योगपति विक्रम किर्लोस्कर और गीतांजलि किर्लोस्कर की बेटी हैं।मानसी किर्लोस्कर प्रतिष्ठित व्यावसायिक घराने किर्लोस्कर परिवार की सदस्य हैं। यह परिवार किर्लोस्कर समूह चलाता है। किर्लोस्कर ग्रुप टाटा समूह जितना ही पुराना है। इसकी स्थापना इसके संस्थापक लक्ष्मणराव किर्लोस्कर ने साल 1888 में की थी।

मानसी का जन्म 7 अगस्त 1990 को हुआ था। उन्होंने अमेरिका के रोड आइलैंड स्कूल ऑफ डिजाइन से फाइन आर्ट्स में स्नातक की डिग्री हासिल की है। 2019 में मानसी ने नोएल टाटा के बेटे नेविल से दक्षिण मुंबई में रतन टाटा के कोलाबा स्थित आवास पर एक निजी समारोह में शादी की। मानसी और नेविल अब दो बच्चों - एक लड़के और एक लड़की के माता-पिता हैं। उनका नाम जमशेदजी टाटा और टियाना टाटा है। 2023 में अपने पिता के निधन के बाद मानसी किर्लोस्कर को टोयोटा किर्लोस्कर ऑटो पार्ट्स और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की नई वाइस चेयरपर्सन नियुक्त किया गया।

वह टोयोटा इंजन इंडिया लिमिटेड किर्लोस्कर टोयोटा टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड टोयोटा मटेरियल हैंडलिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और डेनो किर्लोस्कर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की चेयरपर्सन के रूप में भी कार्यरत हैं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ग्रीन बाहर

आईपीएल भी नहीं खेल पाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के हरफ़नमौला खिलाड़ी कैमरन ग्रीन को पीठ में तकलीफ़ की वजह से सर्जरी से गुज़रना होगा, जिसका मतलब ये हुआ कि वह अब भारत के खिलाफ़ होने वाली टेस्ट सीरीज़ का हिस्सा नहीं होंगे। ग्रीन को पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ़्रैक्चर है जिसके लिए उन्होंने सर्जरी का विकल्प चुना है, उनकी वापसी अब कम से कम छह महीने बाद ही मुमकिन हो पाएगी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मेडिकल स्टाफ़ के साथ पिछले दो हफ़्तों से चल रही लंबी बातचीत के बाद ग्रीन ने ये फ़ैसला किया है। सीए का मानना है कि वैसे तो सर्जरी के बाद वापसी और पूरी तरह ठीक होना खिलाड़ी के ऊपर निर्भर होता है और इसमें नौ महीनों तक का वक़्त लग सकता है। हालांकि उन्हें भरोसा है कि ग्रीन छह महीनों में वापसी कर सकते हैं। छह महीने क्रिकेट से दूर होने का मतलब है कि ग्रीन अब भारत के खिलाफ़ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ के साथ-साथ श्रीलंका के खिलाफ़ अहम टेस्ट सीरीज़ और चैंपियंस ट्रॉफ़ी 2025 का हिस्सा नहीं होंगे। इसके अलावा वह आईपीएल भी नहीं खेल पाएंगे और अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फ़ाइनल में ऑस्ट्रेलिया पहुंचती है तो वहां भी ग्रीन टीम का हिस्सा नहीं रहेंगे।

सीए का मानना है कि अगले साल जून और जुलाई में कैरेबियाई दौरे पर जाने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी ग्रीन अब हिस्सा नहीं रह पाएंगे, उनकी वापसी होने के बाद गेंदबाज़ी के लिए वह कब तैयार होते हैं ये भी देखना अहम होगा। जानकारी के मुताबिक़ न्यूज़ीलैंड के सर्जन ग्रैम इंग्लस और रोवैन शूटेन ही ग्रीन की सर्जरी कर सकते हैं। इन दोनों ने इसी तरह की परेशानी से जूझ रहे 26 खिलाड़ियों की पिछले दो दशकों में सफल सर्जरी की है। उनमें से एक काइल जेमीसन की सर्जरी सफल नहीं हो पाई थी लेकिन उनकी बीमारी बेहद पेचीदा थी। हालांकि न्यूज़ीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि जेमीसन अब वापसी के कगार पर हैं और दिसंबर में शुरू हो रहे सुपर स्मैश में नज़र आ सकते हैं। इनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ बेन ड्वारशिस भी इन्हीं सर्जन से 2019 में अपना इलाज करा चुके हैं। ड्वारशिस 10 महीनों के अंदर ही घरेलू क्रिकेट खेलने लगे थे।

इसी तरह जेसन बेहरनडॉर्फ़ ने भी अक्टूबर 2019 में पीठ की सर्जरी कराई थी और दिसंबर 2020 में उन्होंने वापसी कर ली थी। हालांकि उसके बाद उन्होंने कोई प्रथम श्रेणी मुक़ाबला नहीं खेला है लेकिन उन्हें अब किसी तरह की कोई समस्या नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के एक और तेज़ गेंदबाज़ जेम्स पैटिंसन को भी इसी तरह की परेशानी के लिए सर्जरी से गुज़रना पड़ा था और उन्होंने 12 महीने बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी की थी।

जबकि उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए 22 महीनों का इंतज़ार करना पड़ा था, लेकिन वह दूसरी चोटों की वजह से परेशान रहे थे और आख़िरकार 32 साल की उम्र में संन्यास ले लिया था।

सार समाचार

पंजाब के हुए हरमनप्रीत

हॉकी लीग में अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी बने

नईदिल्ली, एजेंसी। सात साल बाद वापसी कर रही हॉकी इंडिया लीग की बोली में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह की 78 लाख की सबसे बड़ी बोली लगी। सरपंच साहब के नाम से मशहूर स्टार ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह और भारतीय टीम में शामिल खिलाड़ियों को लेने के लिए उम्मीद के मुताबिक टीमों में बड़ी होड़ रही। उनके अलावा अभिषेक शर्मा दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे जिन्हें श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपये में खरीदा। हार्दिक सिंह को यूपी रुद्रास ने 70 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। इसके अलावा अमित रोहिदास को तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 48 लाख जबकि जुगराज सिंह को इतनी ही राशि में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने अपने साथ जोड़ा। हैदराबाद तूफान्स ने सुमित पर 46 लाख रुपये का दांव लगाया है। इसके अलावा हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर भी मालामाल हो गए। विदेशी गोलकीपरों में जर्मनी के जीन पाल डेनेबर्ग को हैदराबाद ने 27 लाख रुपये में लिया। भारतीय गोलकीपरों में कृष्ण बहादुर पाठक 32 लाख रुपये में कलिंगा लांसर्स में और सूरज करकेरा 22 लाख में टीम गोनासिका और पवन 15 लाख रुपये में दिल्ली एसजी पाइपर्स में शामिल हुए। तीन दिवसीय बोली में पहले दिन पुरुष खिलाड़ियों की बोली लगी। लीग में पुरुष वर्ग में आठ और महिला वर्ग में छह टीमें हिस्सा लेंगी।

शंघाई मास्टर्स का खिताब जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने सिनर

शंघाई, एजेंसी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को सीधे सेटों में हराया। 23 वर्षीय सिनर यह खिताब जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने।

सिनर ने यह मुकाबला 7-6 (7-4), 6-3 से जीता। यह सिनर का चौथा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है।

टूर स्तर पर 100वां खिताब जीतने का इंतजार बढ़ा

इटली के इस खिलाड़ी ने आठ ऐस और 22 विनर लगाए। जोकोविच ने चार ऐस और 12 विनर लगाए, जबकि सिनर ने एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। जोकोविच टूर स्तर के अपने 100वें खिताब की कोशिश में जुटे थे। जिमी कोनोर्स और रोजर फेडरर ही पुरुष टेनिस में शतक के खिताबी आंकड़े को पार कर पाए हैं। कोनोर्स ने 109 जबकि फेडरर ने 103 टूर स्तर के खिताब जीते हैं।

सिनर ने मैच के बाद कहा, यह बहुत कठिन मैच था, जाहिर है, नोवाक के खिलाफ खेलना हमारे लिए सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। जिस तरह से मैंने स्थिति को संभाला उससे मैं बहुत खुश हूं। वह पहले सेट में शानदार सर्विस कर रहा था, मुझे उसे तोड़ने का कोई रास्ता नहीं मिल रहा था। मैंने वास्तव में अच्छा टाई-ब्रेक खेला जिससे मुझे दूसरे सेट में अच्छी शुरुआत करने का आत्मविश्वास मिला।

कोहली में है रनों की भूख, हर मैच के बाद आकलन सही नहीं: गौतम गंभीर

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर पिछले कुछ अर्से में विराट कोहली के खराब फॉर्म से चिंतित नहीं है और उन्होंने कहा है कि इस स्टार बल्लेबाज में रनों की उतनी ही भूख है जितनी पदार्पण के समय थी लिहाजा हर मैच के बाद आकलन करना सही नहीं है।

कोहली ने पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक (सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में 76 रन) लगाया। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले उनका फॉर्म में लौटना जरूरी है चूंकि इसके बाद भारतीय टीम को पांच टेस्ट के दौरे के लिये आस्ट्रेलिया जाना है। गंभीर ने यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर है। उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। रनों को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी पदार्पण के समय थी।

उन्होंने कहा, 'यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है। मुझे यकीन है कि वह इस श्रृंखला और आस्ट्रेलिया में भी रन बनाएगा। गंभीर ने कहा कि किसी खिलाड़ी का आकलन एक खराब मैच या श्रृंखला के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हर मैच के बाद आकलन सही नहीं है।

अगर आप हर मैच के बाद ऐसा करने लगे तो यह करने लिये सही नहीं होगा। यह खेल है और विफलता का सामना करना ही होता है। अगर हमें नतीजे अनुकूल मिल रहे हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'रोज कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता।

हमारा काम खिलाड़ियों का समर्थन करते रहना है। मेरा काम सर्वश्रेष्ठ 11 का चयन करना है, किसी को बाहर करना नहीं। हमें आठ टेस्ट लगातार खेलने हैं और सभी की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर है।

पीआर श्रीजेश के बाद रानी रामपाल भी कहेंगी अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा

भारत-जर्मनी मैच में करेंगी ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाली हैं। रानी लंबे बीते लगभग 3 साल से 'टीम इंडिया' से बाहर हैं। जनसत्ता.कॉम को पता चला है कि रानी रामपाल दिल्ली में होने वाले भारत-जर्मनी मैच के दौरान अपने फैसले का ऐलान करेंगी।

भारत के लिए खेले 254 मैच हरियाणा की रहने वाली रानी रामपाल ने साल 2008 में टीम इंडिया में डेब्यू किया था। उन्होंने 254 मुकाबलों में 120 गोल किए। वह साल 2018 में एशियन गेम्स में सिल्वर और 2014 के एशियाड में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं। रानी की कप्तानी में भारत ने टोक्यो ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था।

टोक्यो ओलंपिक के बाद से टीम से बाहर

ओलंपिक के बाद तत्कालीन कोच श्योर्ड मरीन्ये अपने पद से हट गए थे और उनकी जगह यानेक शॉपमैन जिम्मेदारी संभाली थी। ऐसा माना जाता है कि यानेक और रानी के बीच रिश्तों में तल्खी थी। उस दौरान रानी रामपाल चोट से भी जूझ रही थीं। शायद यह वजह थी कि साल 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 6 मुकाबलों में 18 गोल करने के बावजूद उनकी 'टीम इंडिया' में वापसी नहीं हुई।

कोच के साथ रिश्तों में रही खटास

यानेक ने कई बार रानी की तारीफ की, लेकिन हर बार यही कहा कि फिलहाल टीम में उनकी जगह नहीं बन रही। शॉपमैन ने जब महिला हॉकी टीम के कोच का पद छोड़ा तो उन्होंने कहा था कि रानी को टोक्यो के बाद ही खेल को अलविदा कह देना चाहिए था। रानी चोटिल होते हुए टोक्यो ओलंपिक खेलीं और उन्होंने किसी को नहीं बताया। शॉपमैन के मुताबिक, रानी रामपाल ने कभी उनकी बात नहीं मानी।

दूसरी ओर रानी रामपाल वापसी के लिए प्रतिबद्ध थीं। उन्होंने पिछले साल अंडर-17 का कोच बनने के बाद भी यह प्रतिबद्धता जाहिर की थी। उस दौरान अपने संन्यास को लेकर उन्होंने कहा था, 'मैं कभी हार नहीं मानना चाहती। अगर ऐसा होता तो मैं ओलंपिक के बाद सब कुछ छोड़ देती।'

रिटायरमेंट से पहले ही की नई पारी की शुरुआत

रानी रामपाल रिटायरमेंट के ऐलान से पहले ही अपनी नई पारी की शुरुआत कर चुकी हैं। जूनियर टीम के बाद वह हॉकी इंडिया लीग में भी कोचिंग स्टाफ के तौर पर दिखेंगी। सूरमा क्लब ने उन्हें बतौर मेंटर और हॉकी कोच चुना है। वह महिला टीम के साथ नजर आएंगी। 15 अक्टूबर को महिला टीम का ऑक्शन है जहां रानी भी नजर आएंगी।

सूत्रों की मानें तो हॉकी इंडिया लीग नीलामी के बाद होने वाले भारत बनाम जर्मनी टेस्ट सीरीज के दौरान रानी रामपाल ने अपने संन्यास का ऐलान करने का मन बनाया है। इस मौके पर हॉकी इंडिया ने उन्हें सम्मानित करने की भी योजना बनाई है।

शूटिंग वर्ल्डकप:

बिना वीजा के दिल्ली पहुंची ओलंपिक स्वर्ण विजेता शूटर

नईदिल्ली, एजेंसी। विश्व कप फाइनल के लिए खेलने आ रही ओलंपिक और पूर्व विश्व चैंपियन स्पेन की शूटर फातिमा गालवेज बिना वीजा के भारत पहुंच गईं। वह स्पेनिश टीम के साथ शनिवार की देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरीं।

टीम के अन्य दो सदस्यों के पास वीजा था, लेकिन ट्रैप शूटर फातिमा के बिना वीजा नहीं होने के कारण उन्हें इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोक दिया। अधिकारियों को हैरानी इस बात की थी कि वीजा नहीं होने के बावजूद महिला शूटर को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने बिठा कैसे लिया। शूटर को वापस स्पेन भेजे जाने की तैयारी थी, लेकिन एनआरएआई के हस्तक्षेप के बाद उन्हें रविवार की सुबह टेंपरेरी लैंडिंग परमिट (टीएलपी) जारी किया गया। इसके बाद वह एयरपोर्ट से बाहर निकल पाईं। वह अब विश्वकप फाइनल में खेल पाएंगी।

कोच द्रादी और साथी शूटर के पास था वीजा

सूत्र बताते हैं कि इस नाटकीय घटनाक्रम ने एयरपोर्ट और एनआरएआई अधिकारियों की नींद उड़ा दी। फातिमा ने ई वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन इसे कुछ दस्तावेजों के आभाव में खारिज कर दिया गया था। फातिमा के साथ भारत के पूर्व शूटिंग कोच और वर्तमान में स्पेन के कोच मार्सेलो द्रादी और पुरुष ट्रैप शूटर अल्बर्टो फर्नांडीज थे। इन दोनों का वीजा था। फातिमा के साथ ये दोनों भी सुबह तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे। एनआरएआई के जरिए फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (एफआरआरओ) के पास मामला पहुंचा।

उन्हें बताया गया कि फातिमा नामी शूटर हैं। वह विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण समेत तीन रजत दो कांस्य जीत चुकी हैं और पहले भी भारत आ चुकी है। इसके बाद एफआरआरओ ने उन्हें टीएलपी जारी किया। एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने घटना की पुष्टि करते करते हुए कहा, फातिमा होटल आ चुकी है और टूर्नामेंट में खेलेंगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में चौथे नंबर पर लौटेंगे स्टीव स्मिथ

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में अपने पसंदीदा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।

सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के इस साल संन्यास लेने के बाद से स्मिथ पारी का आगाज कर रहे हैं। उन्होंने नई भूमिका में दूसरे ही टेस्ट में नाबाद 91 रन बनाए लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने चार पारियों में कुल 51 रन ही बनाए। बेली ने कहा, 'पैट कमिंस, एंड्रयू मैकडोनाल्ड और स्टीव स्मिथ से लगातार बात हो रही है। स्टीव ने पारी की शुरुआत की बजाय नीचे उतरने की इच्छा जताई है।

शूटिंग वर्ल्डकप:

विश्व कप फाइनल्स में नहीं खेलेंगे भारत के ओलंपिक पदक विजेता शूटर

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में तीन पदक जीतने के बाद 23 भारतीय निशानेबाज सोमवार से कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में शुरू होने जा रहे विश्वकप फाइनल्स में

निशाना साधने जा रहे हैं। हालांकि ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, स्वप्निल कुसाले और सरबजोत सिंह फाइनल्स में नहीं खेलेंगे, लेकिन पेरिस में खेलने वाले नौ भारतीय निशानेबाज देश के लिए दावेदारी पेश करेंगे। इनमें रिद्म सांगवान (10 मीटर एयरपिस्टल, 25 मी. पिस्टल), 10 मी. एयरराइफल में चौथे स्थान पर रहने वाले अर्जुन बबूटा, अर्जुन चीमा (10 मी. एयरपिस्टल), अनीश, विजयवीर सिद्धू (25 मी. पिस्टल), अनंतजीत सिंह नरूका, महेश्वरी चौहान (स्कीट), राजेश्वरी कुमारी, श्रेयसी सिंह (ट्रैप) शामिल हैं।

1.65 करोड़ की इनामी राशि

टूर्नामेंट में 37 देशों के 131 शूटर भाग ले रहे हैं। इनमें ओलंपिक पदक विजेता तुर्किये के युसुफ डिकेच, हंगरी की मेजर वेरोनिका, स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन जैसे शूटर शामिल हैं। एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव के अनुसार टूर्नामेंट में 1.65 करोड़ रुपये की इनामी राशि रखी गई है। स्वर्ण पदक विजेता को 5000 यूरो (लगभग 4.60 लाख रुपये) मिलेंगे। वर्ष के अंतिम टूर्नामेंट फाइनल्स में ओलंपिक पदक विजेता समेत विश्वकप में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शूटर शिरकत करते हैं, लेकिन भारत को मेजबान होने के नाते प्रत्येक इवेंट में दो वाइल्ड कार्ड मिले हैं।

डेनमार्क ओपन में खोया फॉर्म हासिल करने उतरेंगे सिंधू-लक्ष्य, मालविका-आकर्षि पर भी रहेंगी नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी। लक्ष्य का सामना पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू से होगा जिनसे उनकी पहली ही टक्कर है। दूसरे दौर में वह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से टकरा सकते हैं। विश्व चैम्पियन थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न से क्वार्टर फाइनल में टक्कर हो सकती है।

भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 850000 डॉलर ईनामी राशि के डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के जरिये फॉर्म में वापसी की कोशिश करेंगे। दोनों खिलाड़ियों का पिछले सप्ताह फिनलैंड के वांता में हुए आर्कटिक ओपन में प्रदर्शन औसत रहा। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू पहले ही दौर में बाहर हो गई, जबकि 2021 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता सेन दूसरे दौर में हार गए। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे सेन को चीनी ताइपे के चोउ तियेन चेन ने हराया था। अब यहां उनका सामना पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू से होगा जिनसे उनकी पहली ही टक्कर है। दूसरे दौर में वह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से टकरा सकते हैं। विश्व चैम्पियन थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न से क्वार्टर फाइनल में टक्कर हो

सकती है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा जो पहले दौर में कनाडा की मिशेले ली से हार गई थी।

नए कोच अनूप श्रीधर और कोरिया के ली ह्युन इल के मार्गदर्शन में वह पहले दौर में चीनी ताइपे की पेइ यू पो से खेलेंगी। दूसरे दौर में उनका चीन की हान युए से सामना हो सकता है। महिला वर्ग में फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा भी उतरेंगी।

चीन ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंची बंसोड़ का सामना पहले दौर में वियतनाम की एंगुयेन टी लिन्ह से होगा जबकि कश्यप की टक्कर थाईलैंड की सुपनिदा कटेथोंग से होगी। ओडिशा ओपन 2022 विजेता हुड्डा का सामना अमेरिका की लॉरेन लाम से होगा।

पुरुष युगल में भारत की कोई टीम नहीं है जबकि महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद खेलेंगी। दोनों का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया की पीअर्ली तान और टी मुरलीधरन से होगा। स्वेतापर्णा और रितुपर्णा पांडा का सामना चीनी ताइपे की चांग चिंग हुइ और यांग चिंग तुंग से होगा।

कानून का सही पालन करना ही धर्म -सूरेपल्ली नंदा

हिन्दू संरक्षण समिति का 47 वाँ रावन दहन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

हिन्दू संरक्षण समिति भाग्यनगर के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बड़े धूम धाम से विजयदशमी महोत्सव पर रावन दहन कार्यक्रम का विशाल आयोजन भाग्यनगर के पुराने शहर में स्तीथ विजय मैदान कुली कुतुब शाह स्टेडियम, सिटी कालेज के पास समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

47 व रावण दहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना उच्च न्यायालय न्यायाधीश श्रीमती सुरेपल्ली नंदा मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शहर क्षेत्र प्रचारक श्रीराम भरत कुमार अतिथि प्रशांत कुमार, वक्त महंत अरुण दास महाराज उदासीन मठ तथा श्रीमती मेघा रानी अग्रवाल उपस्थित थे । उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा आदिशक्ति मां जगदंबा तथा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी की पूजा अर्चना, दीप प्रज्वलन व शस्त्र पूजा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तत्पश्चात उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय व स्वागत सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित श्री राम भरत कुमार जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी की जीवन लीला पर प्रकाश डालते हुए हमें अपने जीवन राम के पदचिन्हों पर चलने का अनुरोध करते हुए सभी को दशहरे की शुभकामनाएं दी व श्री धाम अयोध्या में प्रभु श्री राम लाल को स्थापित होने व मंदिर बनने की बधाई देते हुए रामराज्य स्थापित करने का अनुरोध किया।

अवसर पर मेघा रानी अग्रवाल ने नारी सम्मान से ही समाज का उत्थान तथा शक्ति पूजन सफल होने का परामर्श दिया। वक्त महंत अरुण दास महाराज ने सभी के मंगल कामनाएं करते हुए दशहरे की शुभकामनाएं दी ।अवसर पर मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय न्यायाधीश श्रीमती सूरेपल्ली नंदा ने भारत माता की जय घोष के साथ सभी नगर वासियों को बुराई की अच्छाई पर विजय का प्रतीक दशहरा महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भगवान राम के जीवन का अनुरूसरण कर बड़ों का सम्मान तथा सामाजिक समरसता बनाए रखने का आग्रह किया।

अवसर पर संस्था अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल संस्था के संस्थापकों को याद करते हुए सभी नगर वासी भक्तों का इस 47 व रावण दहन कार्यक्रम विजयदशमी महोत्सव में स्वागत किया तथा उपस्थित लोगों को जानकारी दी की संस्था के 52 वर्ष के इतिहास में सुरक्षा विकास विश्वास और आध्यात्मिक साथ सनातन धर्म की रक्षा के लिए समिति के कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में संस्था अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सहयोगियों अतिथि गणों पुलिस अधिकारियों कार्यकर्ताओं व भाग्य नगर वासियों का धन्यवाद दिया वह उपस्थित सभी अतिथियों ने मिलकर भगवान श्री रामचंद्र जी के जयकारे के साथ हजारों की संख्या में उपस्थित नगर वासियो के बीच रावण के पुतले का दहनि कया।

विजयदशमी महोत्सव 47 वा रावण दहन कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रियंका अग्रवाल व नेहा अग्रवाल ने किया तथा लोगों के लिए मनोरंजन के लिए रंगारंग आतिशबाजी राजकमल भट्टड़, अनूप अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, तरुण अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में सर्वश्री श्रीमती अंजलि अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल मृणाल सिंघनोडिया, रमेश अग्रवाल, राजेश कुमार , हैदराबाद बंगाली दुर्गा उत्सव कमेटी के अमर मुन्ना, मुझतोजना व अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

सेवा, सहयोग की भावना जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद (एजन्सी),

राधे राधे ग्रूप हैदराबाद समाज सेवा,सहयोग की भावना से काम कर रहा है उक्त विचार व्यक्त करते हुए ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य जगतनारायण अग्रवाल ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राधे राधे ग्रुप किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करता सब समता के भाव से कार्य करते है।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर सोमवार को नियमित अन्नदान किया गया। यहां उल्लेखनीय है कि आज की सेवा पावरपफ गर्ल्स क्लब की और से थी। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,मनीष अग्रवाल, सुशील गुप्ता,संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल,रोहित अग्रवाल, धर्मेंद्र शर्मा, कृषिव गुप्ता,सुरेंद्र गुप्ता,अनीता नाथानी, इंदिरा मित्तल, शिनु बंसल , वेनिका गुप्ता,संगीता अग्रवाल ,माया अग्रवाल,निकिता शाह, निहारिका आदि उपस्थित थे।

21 अक्टूबर को झंडा दिवस सप्ताह समारोह का भव्य आयोजन - एसपी गौस आलम

आदिलाबाद (एजन्सी),

जिला एसपी गौस आलम आईपीएस ने झंडा दिवस (पुलिस शहीद दिवस) मनाने का आह्वान किया है, जो हर साल आदिलाबाद जिले में शहीद पुलिसकर्मियों की याद में आयोजित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि जिले भर के पुलिस कार्यालयों में और लोगों की मौजूदगी में शहीदी सप्ताह मनाया जाये। इस मौके पर कई कल्याणकारी कार्यक्रमों के संबंध में ब्योरा जारी किया गया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इन जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए और झंडा दिवस को सफल बनाना चाहिए।

हिन्दू मंदिरों को तोड़ने के पीछे छिपी साजिश को उजागर करें- विश्व हिंदू परिषद प्रवक्ता पागुडाकुला बालास्वामी

हैदराबाद (एजन्सी),

विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता पागुडाकुला बालास्वामी को संदेह है कि भाग्यनगर में हिंदू मंदिरों को नष्ट करने के पीछे एक बड़ी साजिश थी। पिछले कुछ दिनों से भाग्यनगर में कुछ उपद्रवी हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। आरोप है कि धार्मिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसी साजिशें रची जाती हैं। संतोष नगर रक्षापुरम में अम्मावरी मंदिर में दो अन्य धार्मिक लोगों ने तोड़फोड़ की। लेकिन पुलिस ने यह कहकर मामला खारिज कर दिया कि हमलावर पागल है।

यहां तक कि नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में भी अगर देवी दुर्गा की मूर्ति तोड़ दी जाती है तो एक पागल व्यक्ति को दिखाया जाता है. बालास्वामी ने मांग की कि खुफिया एजेंसियां अगर सिकंदराबाद के कुम्मारिगुडा में मुत्यालम्मा अम्मावरी मंदिर का विध्वंस देखती हैं तो उन्हें तुरंत साजिश के पीछे की ताकत का पता लगाना चाहिए।

हैदराबाद (एजन्सी), तेलंगाना के बातुकम्मा, 'देवी माँ की याद में मनाया जाता है। महिलाएँ मौसमी फूलों को एक सुंदर ढेर में सजाती हैं, और पारंपरिक रूप से भाई अपनी बहनों के लिए फूल इकट्ठा करते हैं। बेल्जियम में रहने के बावजूद शिवा रंजनी और उनके पति रामानुजम जगन्नाथ प्रसाद इस परंपरा को प्यार से जारी रखते हैं। इस साल उन्होंने ब्रुसेल्स मंदिर में बातुकम्मा उत्सव का आयोजन किया, जहाँ महिलाओं ने फूलों के ढेर बनाए, गीत गाए और त्योहार की भावना को बनाए रखा, दूर से भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों को जीवित रखा।

श्रीमाली ब्राह्मण समाज (महिला वर्ग) द्वारा महारास गरबा-डांडिया का भव्य आयोजन

हैदराबाद (एजेंसी),

श्रीमाली ब्राह्मण समाज (महिला वर्ग) द्वारा महारास गरबा-डांडिया का भव्य आयोजन श्रंग ऋषि भवन में किया गया ।आयोजन में श्रीमाली समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवम सभी ने पारंपरिक नृत्य का भी खूब आनंद लिया और मातारानी के स्वरूप में कन्याओं ने कार्यक्रम में भाग लिया ।मुख्य अतिथि के रूप में नन्द किशोर व्यास (बिलाल), रामदेव जी नगला, गोपाल भंडारी, नरेश व्यास एवम समाज के गणमान्य लोगों का स्वागत किया गया ।अंत में श्रीमती सरोज धूत एवम अर्चना असावा द्वारा निर्णय पर विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया ।अवसर पर महिला वर्ग के सदस्यगण ललिता त्रिवेदी, रमा जोशी, रानी व्यास, मीनाक्षी व्यास, वीणा ओझा, अर्चना ओझा, स्वर्णा वोहरा, विजयलक्ष्मी वोहरा, वर्षा दवे, माधुरी दवे, विद्या जोशी, दीपा व्यास, भावना व्यास, रंजीता दवे, पूर्णिमा व्यास, भावना दवे, रेणुका वोहरा, कंचन जोशी एवम सीमा ओझा ने सभी सामाजिक सखियों का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

आदिलाबाद (एजन्सी), सनातन हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में स्थानीय डाइट मैदान में आयोजित भव्य दशहरा समारोह के लिए जिला एसपी और डीएसपी और वन टाउन टू टाउन सीआई और पुलिस को धन्यवाद दिया।

अतापुर में हर्षोल्लाश से मनाया गया दशहरा महोत्सव

हैदराबाद (एजन्सी)

,अतापुर रामबाग राम मंदिर प्रांगण में दशहरा महोत्सव क्षेत्र के हजारों लोगों की मौजूदगी में बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया। राम मंदिर से आई पालकी में विराजमान भगवान रामचंद्र जी के द्वारा मंदिर प्रांगण में लगाई गई विशाल रावण प्रतिमा को अग्निबाण मारा गया जिसे देखते ही देखते रावण धू धू एवम पटाखो की धमाकों के साथ जलकर धराशाई हो गया मौजूद लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाकर खूब आनंद लिया यहां मंदिर कमेटी के द्वारा आयोजित मेले में लोगों ने अपने बच्चों के मनोरंजन के लिए जमकर खरीदारी की इस अवसर पर आयोजन कमेटी के प्रभारी ठाकुर अर्जुन सिंह ने सभी को दशहरे की शुभकामनाएं दी इसके अलावा समाजसेवी वनम श्रीराम रेड्डी ने मंच स्थापित अलैइ ब्लैइ कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें मेले में पधारे तमाम गणमान्य लोगों को मंच पर स्वागत कर दशहरे की शुभकामनाएं दी तथा मंच के सामने आयोजित बतकम्मा को अनेक महिलाओं ने फेरी लगाते हुए जमकर नृत्य किया। इस अवसर पर हजारों लोग मौजूद थे।

अग्रवाल समाज - कोत्तापेट शाखा का "D.E.C डांडिया धमाल '24" कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद (एजन्सी),

अग्रवाल समाज, तेलंगाना की कोत्तापेट शाखा के द्वारा 13-अक्टूबर-2024 को D . E . C . डांडिया धमाल '24 चैतन्यपुरी स्थित भाग्यश्री गार्डन फंक्शन हॉल में बड़े ही धूमधाम से आयोजित किया गया । शाखा सचिव CA. राजगोपाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस डांडिया का शुभारंभ माता रानी और महाराज श्री अग्रसेन जी के सुसज्जित दरबार में पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का श्रेय विशेष अतिथियों को जाता है, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से सभी का उत्साह बढ़ाया । इनमें D.E.C. ग्रूप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर और इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रायोजक अनिरुद्ध गुप्ता, अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, निर्वतमान उपाध्यक्ष एवं अग्रमंच के संपादक डॉ. दिलीप पंसारी, अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट - आत्मगौरव भवन के कोषाध्यक्ष महावीर अग्रवाल, प्रमुख ट्रांसपोर्ट उद्योगपति देविदत्त कोहली, कई वरिष्ठ नागरिक मुख्य रूप से शामिल थे।

शाखा पदाधिकारियों ने सभी का स्वागत एवं सम्मान किया । साथ ही समाज की मलकपेट, वनस्थलीपुरम और सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखाओं ने विशेष रूप से समारोह में भाग लिया । 400 से भी अधिक लोगों का डांडिया के लिए प्रवेश डोनर पास द्वारा किया गया, जिसके उपरांत सभी ने बेहतरीन म्यूजिक, चकाचौंध रोशनी बीच संपन्न होने वाले डांडिया और गरबा नृत्य के साथ स्वादिष्ट भोजन का लाभ उठाया । इस दौरान सर्वश्रेष्ठ डांडिया नृत्य, दंपत्ति नृत्य, गरबा नृत्य, डांडिया परिधान, सामूहिक नृत्य, सुसज्जित डांडिया के साथ कई अन्य वर्गों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु पुरस्कार और उपहार वितरित किए गए, जिनका चयन करने के लिए न्यायाधीशों के तौर पर केशव अग्रवाल एवं इंदिरा अग्रवाल ने अपने आकलन दिए । उक्त डांडिया में भाग लेने वाली माताओं, बहनों, भाइयों और बच्चों के लिए भोजन के साथ ही उपस्थित लोगों में से लकी-ड्रा के तहत चुने गए भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप चाँदी भी प्रदान की गई । मंच का संचालन कोमल अग्रवाल एवं कार्यक्रम का संचालन श्वेता राजगोपाल अग्रवाल ने किया ।कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरुण गोयल, सचिव C A . राजगोपाल अग्रवाल, सह-सचिव ललित कुमार बंसल, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य दीपक बंसल ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद एवं सभी पुरस्कृत विजेताओं को बधाई देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net